हिंदी दैनिक

द फोटोन न्यूज

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● शनिवार, 08 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 82 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

संयम का अर्थ घुट-घुटकर जीना नहीं है, स्वस्थ पवन की तरह बहना है।

रांगेय राघव

08

जान से मारने की मिल रहीं धमकियों के बीच सलमान खान ने...

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	59,832.97
निफ्टी	:	17,599.15

सर्राफा

सोना	:	5,735
चांदी	:	80.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

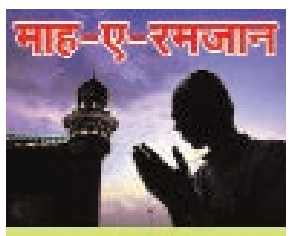

इफ्तार (रविवार) : 06.07
सेहरी (शनिवार) : 04.26

ब्रीफ न्यूज

सीएम आवास और सचिवालय के आसपास निषेधाज्ञा लागू

रांची : रांची जिला प्रशासन ने झारखंड पाहन संघ के शनिवार को रांची बंद और विभिन्न छात्र संगठनों के मुख्यमंत्री आवास घेराव की सूचना के मद्देनजर मुख्यमंत्री आवास व सचिवालय के आसपास निषेधाज्ञा लागू कर दी है। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर सदर एसडीओ ने धारा 144 के प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागे कर दी है। यह निषेधाज्ञा शनिवार सुबह आठ बजे से रात्रि 11.30 बजे तक के लिए लागू रहेगी। इसके लागू होने के बाद मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय के दो सौ मीटर की परिधि में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन, घेराव आदि आयोजित नहीं किये जा सकेंगे। एसडीओ ने बताया कि इस दौरान पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना या चलने, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र लेकर निकलना या चलने, किसी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करने और ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गयी है।

कुर्मी समाज का रेल रोको आंदोलन, आज रद रहेंगी 13 ट्रेनें

रांची : खड़गपुर मंडल के खेमाशुलि स्टेशन और आद्रा मंडल के कुसतौर स्टेशन पर कुर्मी समाज द्वारा रेल पटरी पर जन आंदोलन की वजह से 8 अप्रैल को रांची रेल मंडल से परिचालित होने वाली 13 ट्रेनें रद करने की घोषणा की गयी है। इनमें ट्रेन संख्या 13352 अल्लपुजा (एलेप्पी)-धनबाद एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 18036 हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 18035 खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 18616 हटिया-हावड़ा क्रियायोग एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 22824 नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 22891 हावड़ा-रांची एक्सप्रेस, । ट्रेन संख्या 22892 रांची-हावड़ा एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर-हटिया मौर्य एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 18623 इस्लामपुर -हटिया एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 13319 गोड्डा-रांची एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 05671 कामाख्या-रांची एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12818 आंनदविहार-हटिया एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 17007 सिकंदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस ट्रेन शामिल हैं।

कंचनजंगा प्रकृति की सुंदर रचना रही है : मुर्मू

गुवाहाटी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज (शुक्रवार) असम पर्वतारोहण संघ द्वारा कंचनजंगा में आयोजित 'माउंट कंचनजंगा अभियान-2023' का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय असम के दौरे पर पहुंचीं राष्ट्रपति ने आज काजीरंगा में गज उत्सव-2023 में हिस्सा लेने के बाद गुवाहाटी के कोइनाधारा स्थित राजकीय अतिथि गृह में आयोजित एक समारोह में इस अभियान की शुरूआत की और अभियान के नेता मानस बरुवा को राष्ट्रीय ध्वज, आईएसएक्स बैटन और अभियान का ध्वज सौंपा। अभियान का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कंचनजंगा प्रकृति की सुंदर रचना रही है। इस कंचनजंगा पर्वतारोहण अभियान की पूर्व संध्या पर उन्होंने खुद को भाग्यशाली बताया और अभियान की सफलता की कामना की।

'टाइगर' की अंत्येष्टि के दौरान हर किसी की आंखें थी नम

...जगरनाथ दा आपको अंतिम जोहार!

पंचतत्व में विलीन हुए शिक्षा मंत्री, पुत्र अखिलेश महतो ने दी मुखाग्नि

प्रमुख संवाददाता, बोकारो।

झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। बोकारो जिले के चंद्रपुरा प्रखंड के भण्डारीदह के समीप दामोदर नदी घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र अखिलेश महतो उर्फ राजू महतो ने मुखाग्नि दी।

अंत्येष्टि में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रवींद्रनाथ महतो, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सत्यानंद भोक्ता, बादल पत्रलेख, राज्यसभा सांसद महुआ माजी समेत विभिन्न दलों के नेताओं और कार्यकताओं ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

डुमरी विधानसभा से लगातार चार बार प्रतिनिधित्व करने वाले टाइगर उपनाम से विख्यात झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार में शिक्षा मंत्री रहे जगरनाथ महतो का पार्थिव शरीर चेन्नई से बोकारो स्थित उनके घर पर लाया गया। अपने लोकप्रिय नेता की अंतिम एक झलक पाने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

चेन्नई से शुक्रवार सुबह लगभग 7.30 बजे जगरनाथ महतो का शव पहले रांची लाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी उनकी पार्थिव देह को कंधा दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री फफक कर रो पड़े। वहां से जगरनाथ महतो के पार्थिव शरीर को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से सीधे विधानसभा परिसर लाया गया।

विधानसभा में स्पीकर रवींद्र नाथ महतो, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, मंत्री आलमगीर आलम, चंपई सोरेन, सत्यानंद भोक्ता, बन्ना गुप्ता, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बादल, हफीजुल हसन, सांसद विजय हांसदा, राज्यसभा सांसद महुआ माजी और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधानसभा के बाद पार्थिव शरीर को हरमू रोड स्थित झामुमो के कैंप कार्यालय में ले जाया गया, जहां पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन समेत झामुमो के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। झामुमो कार्यालय के बाद जगरनाथ महतो के पार्थिव शरीर को बोकारो स्थित भंडारीदह स्थित उनके पैतृक गांव ले जाया गया, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंत्री जगरनाथ महतो के पैतृक गांव अलारगो पहुंचे। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र महतो भी थे। दोनों ने जगरनाथ महतो के परिजनों से मुलाकात की ।

जगरनाथ महतो के पार्थिव शरीर को कंधा देने के बाद ट्वीट कर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि टाइगर जगरनाथ दा ने झारखंड और झारखंडियत की रक्षा के संघर्ष में हमेशा साथ निभाया, उसे जीतना सिखाया. झारखंड की माटी के वीर सपूत जगरनाथ महतो अमर रहें।

जगरनाथ महतो को नमन करते हुए भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा -अंतिम प्रणाम जगरनाथ जी। झारखंड में सदैव आपकी कमी खलेगी। आपका जमीन से जुड़ाव, जनता के प्रति स्नेह और सबसे महत्वपूर्ण कभी हार ना मानने की जीवटता हमेशा लोगों को प्रेरणा प्रदान करती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो (56) का गुरुवार सुबह 6:30 बजे चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में निधन हो गया था। अचानक तबियत खराब होने पर उन्हें 14 मार्च को एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची से चेन्नई ले जाया गया था। पहले कोरोना काल में वह कोरोना की चपेट में आ गए थे। तब उनका लंग्स ट्रांसप्लांट किया गया था।

ईडी जांच में हुआ खुलासा, साहिबगंज में नहीं रुक रहा अवैध खनन कार्य

विशेष संवाददाता, रांची।

खदानों में रात के समय किया जा रहा खनन

निरीक्षण के दौरान पता चला कि खदान उन कई खनन स्थलों में से एक है, जिनका पूर्व में 25 जुलाई 2022 से लेकर 29 जुलाई 2022 की अवधि के दौरान ईडी के अधिकारियों ने निरीक्षण किया था। पूर्व में भी पूछताछ में पुष्टि हुई थी कि इन सभी खनन स्थल अवैध रूप से पंकज मिश्रा और बिष्णु कुमार यादव उर्फ छोटू यादव चला रहे हैं। पुलिस ने दिसंबर 2022 में प्राथमिकी दर्ज की थी। निरीक्षण करने पर पता चला है कि उक्त अवैध खनन स्थल से अवैध रूप से पत्थर का उठाव किया गया है। ईडी के द्वारा जांच में यह पाया गया कि खदानों में विस्फोट के लिए कई नए छेद बनाए गए थे और उनमें विस्फोटक डाले गए थे। जांच में पता चला कि इन खदानों में रात के समय खनन किया जा रहा था। जांच के दौरान ईडी द्वारा ड्रोन कैमरे की मदद से तस्वीरें ली गईं। इसमें खनन स्थलों को मुख्य सड़कों से जोड़ने वाले भारी वाहनों, उपकरणों के पहियों के ताजा निशान भी दिखाई दे रहे थे।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) साहिबगंज में हुए अवैध खनन की जांच कर रही है। ईडी की जांच में साहिबगंज में अवैध खनन कारोबार बंद नहीं होने का खुलासा हुआ है। इसे लेकर ईडी ने साहिबगंज जिले के एसपी को कार्रवाई करने के लिए एक पत्र लिखा है।

सूत्रों की मानें तो साहिबगंज के मंडरो अंचल स्थित सिवरिया मौजा के नीबू पहाड़ पर प्लाट नंबर 69पी, 70पी, 71 पी और 73 पी में धड़ल्ले से अवैध खनन चल रहा है। बीते बुधवार और गुरुवार को लगातार दो दिन नये सिरे से ईडी की टीम ने इलाके में जांच की। जांच में ईडी के साथ मंडरो रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर जितेंद्र दुबे, माइनिंग ऑफिसर विभुति कुमार, मंडरो सीओ नरेश मुंडा, राजमहल सब रजिस्टार मनोज टुडू, झारखंड स्टेट पॉल्यूशन बोर्ड के रिजनल ऑफिसर कमलकांत पाठक सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

राज्य में 10-11 को होगा मॉक ड्रिल : मंत्री

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड में कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ मंत्री मनसुख मंडाविया ने देशभर के 25 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर कोरोना से निपटने के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर राज्य में कोरोना के वर्तमान हालात पर चर्चा की है। राज्य में कोरोना के 60 सक्रिय मरीज हैं। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह मौजूद रहे। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि 10 और 11 अप्रैल को राज्यभर में मॉकड्रिल किया जाएगा। इससे पहले 9 अप्रैल को राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों और सिविल सर्जन के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठक कर कोरोना की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड वैक्सीन की कमी है। ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से राज्य के लिए वैक्सीन की मांग की गई है। राज्य के चार आरटी-पीसीआर लैब आईसीएमआर से मान्यता के इंतजार में हैं। ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से लैब को जल्द मान्यता देने का आग्रह किया गया है, ताकि राज्य में जांच की रफ्तार को और व्यापक रूप से बढ़ाया जा सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में शामिल मंत्री बन्ना गुप्ता व अन्य ● फोटोन न्यूज

राज्य में बेड की उपलब्धता

- नॉन ऑक्सीजन बेड: 5276
- ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड: 11356
- आईसीयू बेड: 1447
- वेंटिलेटर बेड: 1456
- पीडियाट्रिक आईसीयू (सरकारी): 510
- पीडियाट्रिक एचडीयू (सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में): 455
- पीडियाट्रिक मामले हेतु ऑक्सीजन बेड: 1180

कोरोना को लेकर जल्द बनाया जाएगा एसओपी

गुप्ता ने कहा है कि राज्य हित के विषय में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से कई बिंदुओं पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में कोरोना के मामले बढ़े हैं। ऐसे में झारखंड भी अलर्ट पर है। कोरोना को लेकर जल्द ही नया एसओपी बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी चर्चा करेंगे। बन्ना गुप्ता ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग को बेहतर बनाने के लिए काम किया जा रहा है।

सरना झंडा हटाकर रामनवमी झंडा लगाए जाने का विरोध, शुकवार संध्या निकाला गया मशाल जुलूस

सरना झंडा विवाद : आज रांची बंद

वरीय संवाददाता, रांची।

राजधानी रांची के लालपुर थानांगर्त करम टोली, नगड़ी थाना अंतर्गत होटवासी आदि जगहों पर सरना झंडा हटाकर उसकी जगह पर रामनवमी झंडा लगाए जाने के विरोध में 8 अप्रैल को रांची बंद बुलाया गया है। शुक्रवार को आदिवासी संगठनों ने पाहन महासभा के द्वारा पूर्व संध्या पर अलबर्ट एक्का चौक में मशाल जुलूस निकाला गया और सभी से सहयोग मांगा गया। इस मौके पर आदिवासी संगठनों ने कहा कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने किसी की गिरफ्तारी नहीं की। इसके कारण गुस्सा और बढ़ता जा रहा है। आदिवासी समाज अपने धर्म-संस्कृति पर हमला कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर जरूरत पड़ी तो सीधी कार्रवाई से भी आदिवासी समाज पीछे नहीं हटेगा। वे लोग रांची जिला प्रशासन को समय भी दिया। मगर इतने दिन बाद भी कोई कारवाई नहीं हुई। इसलिए अब मजबूरी बस यह रांची बंद आयोजित किया जा रहा है। अगर इसके बाद भी कोई कारवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज होगा। प्रशासन से त्वरित कार्रवाई करते हुए असामाजिक तत्वों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गयी है।

अलबर्ट एक्का चौक में मशाल जुलूस में शामिल प्रदर्शनकारी ● फोटोन न्यूज

सरना झंडा जलाना घोर निंदनीय दोषियों पर हो कार्रवाई : राजेंद्र प्रसाद

मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि सरना झंडा को जलाने की बात आ रही है प्रसाद ने कहा यह घोर निंदनीय है। प्रसाद ने कहा कि झारखंड के मूलवासी सदान और आदिवासी भाई के तरह आपसी भाईचारा के साथ रहते आ रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी हरकत तो मूलवासी सदान कभी नहीं करेंगें। प्रसाद ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों के ऊपर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सरकार से करने की मांग की है। प्रसाद ने कहा इसकी जांच आवश्यक है, ये कौन लोग हैं जो राज्य के माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं।

संगठनों ने लिया हिस्सा

इस कार्यक्रम में पाहन महासभा शिबू पाहन, जगदीश पाहन, बहादुर पाहन, जुड़ा पाहन, बसंत पाहन, निर्मल पाहन, सोमनाथ पाहन, महादेव पाहन, समरा पाहन, आनंद पाहन, अमित पाहन, राजकुमार पाहन, राजू पाहन, भुनेश्वर पाहन, रंजीत पाहन, बबलू पाहन, तरू पहन पाहन, पाहन, गीता पाहन, सीता पाहन, रीता पाहन, अनीता पाहन, सुजाता पाहन सहित कई लोग उपस्थित थे।

हजारीबाग दनुआ घाटी में बस पलटी, एक की मौत

महाराष्ट्र से काशी विश्वनाथ मंदिर जा रही थी बस

वरीय संवाददाता, हजारीबाग।

महाराष्ट्र से यात्रियों को लेकर वाराणसी के काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा रही बस गुरुवार को देर रात हजारीबाग जिले के एनएच-2 स्थित चौपारण की दनुआ घाटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। इस घटना में बस पर सवार महाराष्ट्र की यात्री उमा स्वामी (65 वर्ष) मौत मौके पर हो गयी, जबकि बस पर सवार 6 लोग घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार बस पर 40 यात्री सवार थे। यात्रियों ने बताया कि छोटी गाड़ी में पीछे से टक्कर मारने से बस असंतुलित होकर कुछ दूर पर जीटी रोड को छोड़ करीब 10 फीट गड्ढे में चली गयी थी।

बस पर सवार महाराष्ट्र के ये यात्री हुए घायल

घटना की पुष्टि करते हुए थाना प्रभारी शम्भूनंद ईश्वर ने बताया कि सूचना के बाद घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को निकालकर इलाज के लिए चौपारण अस्पताल पहुंचाया। घायलों में अजीत मोहन बयमले (63 वर्ष), बाबरेवहम (60 वर्ष), बाली राम (64 वर्ष), सुलाबाई (60 वर्ष), सावित्री बाई (65 वर्ष) एवं शकुन्तला श्रीपति शामिल हैं। सभी यात्री महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। इन लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। शेष बस पर सवार यात्रियों को पुलिस द्वारा ठहराने की व्यवस्था की गयी है।

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष ने शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो को नम आंखों से दी श्रंद्धाजलि, कहा

जीवन के आखरी समय में भी टाइगर बने रहे

संवाददाता, रांची।

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो ने शुक्रवार को दिवंगत शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो को नम आंखों से श्रंद्धाजलि दी। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र में टाइगर के नाम से प्रसिद्ध जगरनाथ दा सचमुच अंतिम समय मे टाइगर की तरह जीये। भगवान उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दे। जगरनाथ दा जनप्रिय नेता थे। उनका इस तरह से चले जाना काफी पीड़ादायक है।

उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलन के समय से ही जगरनाथ महतो के साथ उनके बहुत आत्मीय संबंध थे। राज्य के विकास को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे। विपक्ष में रहते हुए उन्होंने ऐसे मामले सदन में उठाए थे जो सीधे तौर पर झारखंड के जनमानस से जुड़ा हुआ था। पारा शिक्षकों को कैसे सम्मान मिले इसको लेकर उन्होंने आंदोलन किया था। जब सरकार में आये और उन्हें राज्य के शिक्षा मंत्री का दायित्व मिला तो उन्होंने सबसे पहले पारा शिक्षकों के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। झारखंड के युवाओं को कैसे रोजगार मिले, इसपर भी उनकी गहरी चिंता थी।

जगरनाथ महतो के अंतिम यात्रा में शामिल लोग। ● द फोटोन न्यूज

कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि जगरनाथ दा का जीवन दलितों शोषितों पीड़ितों के उत्थान को समर्पित था। वे एक ऐसे जनप्रिय नेता थे जिनके पास दलगत भावना से ऊपर उठकर लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचते थे। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि वे कभी यह नहीं देखते थे कि उनके समक्ष आया व्यक्ति किस दल या विचारधारा का है। सबकी सुनते थे और उसका तत्काल निदान करते थे।

अन्नपूर्णा देवी ने जगरनाथ महतो के निधन पर जताया शोक

संवाददाता, रांची।

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री और कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने झारखंड के शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि जगरनाथ महतो का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक और झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने कहा कि जगरनाथ महतो के साथ झारखंड विधानसभा के सदस्य के तौर पर लम्बे अरसे तक काम करने का अवसर मिला। जनहित के कई मुद्दों पर हमने साथ-साथ संघर्ष किया। हाल के दिनों में राज्य के शैक्षणिक विकास के लिए उनके साथ कई बार लम्बा विमर्श हुआ। कुछ बिंदुओं पर हम मिलकर काम करना चाहते थे।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जब भी गरीबों, वंचितों, शोषितों, पिछड़ों के हितों की बात आई, बगैर किसी दलीय पूर्वाग्रह के जगरनाथ महतो साथ खड़े हुए। राज्य में शिक्षा व्यवस्था में सुधार का प्रश्न हो, सुदूरवर्ती क्षेत्रों में नए विद्यालयों की स्थापना या शिक्षा जगत से जुड़ा कोई अन्य विषय हो, जगरनाथ जी सदैव मुखर रहे। राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने को लेकर लम्बे समय से उनके साथ विमर्श चल रहा था और उन्होंने इसके लिए राज्य में शैक्षणिक आधारभूत संरचना के विस्तार की प्रतिबद्धता भी प्रकट की थी।

शिक्षा मंत्री के अंतिम संस्कार में शामिल हुए झारखंड कांग्रेस प्रभारी

संवाददाता, रांची।

राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे भी शामिल हुए। शुक्रवार को झारखंड कांग्रेस प्रभारी पांडे महतो ने दिवंगत जगन्नाथ महतो के पुत्र और अन्य परिवारजनों से मिलकर उन्हें इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया और संवेदना व्यक्त की। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, उमाशंकर अकेला, रामचंद्र सिंह, पूर्व मंत्री केशव महतो, कमलेश, सोशल मीडिया के इंचार्ज गजेंद्र सिंह मौजूद थे।

इससे पूर्व झामुमो कार्यालय पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने दिवंगत शिक्षा मंत्री के पार्थिव शरीर को नमन किया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम किरण कुमार रेड्डी भाजपा में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली।

आंध्र प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गए। संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे किरण कुमार रेड्डी ने कुछ दिनों पहले कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने किरण रेड्डी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर प्रह्लाद जोशी ने कहा कि किरण कुमार रेड्डी, प्रधानमंत्री मोदी से काफी प्रभावित हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई को वे मजबूती देंगे। एक विधायक और मंत्री के रूप में उनकी छवि बहुत साफ रही है। आंध्र प्रदेश में भाजपा के लिए यह एक बड़ा बढ़ावा होगा।

वहीं, किरण रेड्डी ने कहा कि उनका परिवार 1952 से कांग्रेस से जुड़ा रहा है। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि वे कांग्रेस छोड़ेंगे लेकिन कांग्रेस हाईकमान के गलत फैसले से पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने स्थानीय नेताओं से कभी कोई राय नहीं ली।

संस्कृति और अध्यात्म की नींव पर विज्ञान की मदद से करें भावी भारत का निर्माण : नितिन गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली।

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि हमें अपने इतिहास, अध्यात्म, संस्कृति, संस्कार, सरोकारों का संरक्षण करते हुए, उन पर गर्व करते हुए आधुनिक तकनीक अपनानी चाहिए। इन दोनों पक्षों के सुंदर तालमेल से ही भविष्य का भारत सशक्त, समृद्धशाली व वैभवशाली बनेगा और विश्व का नेतृत्व करेगा। नितिन गडकरी ने यह बातें नई दिल्ली स्थिति इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में अयोध्या पर्व का उद्घाटन करते हुए कही।

देश भर में विश्व स्तरीय सड़कों का जाल बिछाकर देश की आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान करने के लिए विख्यात नितिन गडकरी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि अयोध्या में रामलला का मंदिर साकार रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि हमने वह दौर भी देखा था जब लोग पूछते थे क्या हम अयोध्या में रामलला का मंदिर अपनी इन आंखों से ही देख सकेंगे। उस आंदोलन को यशस्वी बनाने वाले अशोक सिंहल भले ही अब सशरीर हमारे बीच नहीं हैं परन्तु उनका यह अटूट विश्वास था कि यह सपना साकार हो रहा है। एक लंबे संघर्ष के बाद अंततः सच की जीत हुई और न्याय मिला।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भविष्य में अयोध्या के तीर्थाटन पर आने वालों को वहां विश्वस्तरीय व्यवस्था मिलनी चाहिए। सड़क का हमारा मंत्रालय तेज गति से कर रहा है, रेल मार्ग व अयोध्या का रेलवे स्टेशन भी बनकर तैयार है, अब एयरपोर्ट भी बन रहा है। उन्होंने अयोध्या के सांसद से आह्वान किया कि वे सरयू नदी में एक विश्वस्तरीय लाइट एंड साउंड शो का निर्माण कराएं, जिसमें सम्पूर्ण रामायण का चित्रण हो। इसके लिए वह स्वयं सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने नागपुर में इसी प्रकार के एक लाइट एंड साउंड शो को आकर देखने का भी आमंत्रण दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष पद्मश्री रामबहादुर राय ने कहा कि अयोध्या एक बार फिर अपने गौरवशाली इतिहास के साथ आधुनिक दौर में दिखने लगी है।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत का समाज के सभी वर्गों से सेवा का आह्वान

सेवा भारती के तीसरे राष्ट्रीय सेवा संगम को किया संबोधित

एजेंसी, जयपुर (राजस्थान)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने समाज के सभी वर्गों से दृढ़ संकल्पित होकर सेवा करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सेवा का भाव करुणा से जुड़ा है। जब देश का सर्वांग परिपूर्ण और स्वस्थ होगा तभी भारत विश्वगुरु बनेगा। संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने यह बात जयपुर के पास जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में सेवा भारती के तीसरे राष्ट्रीय सेवा संगम के उद्घाटन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शरीर का कोई अंग दुर्बल होता है तो पूरा शरीर पीड़ा भोगता है, उसी प्रकार यदि देश का कोई समाज दुर्बल होगा तो पूरा देश पीड़ा भोगता है और पिछड़ता है। उन्होंने कहा कि सेवा का भाव ही इस कमी को दूर कर सकता है। डॉ. भागवत ने कहा कि यह कार्य हमें करना है ,क्योंकि यह समाज हमारा अपना है। हमें देश के किसी भी अंग को दुर्बल, पिछड़ा और नीचा नहीं रहने देना है।

डॉ. भागवत ने कहा कि सेवा का भाव करुणा से जुड़ा है। यह भाव त्वरित पैदा होता है। सेवा भारतीय सनातन संस्कृति का गुण है। मनुष्य की मनुष्य के प्रति सामान्य अभिव्यक्ति है। सेवा कोई स्पर्धा नहीं है। आज संवेदना के आधार पर कृति की चर्चा वैश्विक स्तर पर हो रही है।

उद्घाटन सत्र में संघ प्रमुख के अलावा पीरामल ग्रुप मुंबई के अध्यक्ष अजय पीरामल, उद्योगपति नरसीराम कुलरिया, राष्ट्रीय संत बालयोगी उमेश नाथ महाराज आदि उपस्थित हैं। इस दौरान पीरामल ने संत रहीम का दोहा उद्धृत करते हुए कहा कि तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहि न पान। कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान। इसी उद्देश्य को पीरामल फाउंडेशन में उतारने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि फाउंडेशन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य को लेकर प्रतिबद्धिता जताई है। राष्ट्रीय संत बालयोगी उमेश नाथ महाराज ने निषादराज और माता शबरी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान राम तब सामाजिक समरसता सिखा गए थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले ने कहा कि नानाजी देशमुख एक मंत्र दे गए कि अपने लिए नहीं अपनों के लिए जियो। जहां संगम होता है वहां अध्यात्म ऊर्जा बढ़ती है। इस अवसर पर अतिथियों ने सेवा साधना पत्रिका का विमोचन किया। इस पत्रिका का विषय स्वावलंबी भारत रखा गया है। स्वागत समिति के अध्यक्ष के रूप में उद्योगपति नरसीराम कुलरिया ने स्वागत उद्बोधन दिया।

सेवा संगम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश भैयाजी जोशी, सह सरकार्यवाह मुकुंद सी आर, विश्वगुरु महामंडलेश्वर परमहंस स्वामी महेश्वरानन्द, विश्व जागृति मिशन संस्थापक आचार्य सुधांशु महाराज, सांसद राजसमंद दीया कुमारी, उद्योगपति अशोक बागला आदि उपस्थित रहे।

गृहमंत्री अमित शाह ने कौशांबी को दी 612 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

संवाददाता, कौशांबी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में शुक्रवार को तीन दिवसीय कौशांबी महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान गृहमंत्री शाह ने कौशांबी जिले को 612.94 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें 456.22 करोड़ रुपये की 94 परियोजनाओं का लोकार्पण और 156.72 करोड़ की लागत वाली 22 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

कौशांबी जिले के फसहिया मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। अपने संबोधन के दौरान गृहमंत्री शाह ने कांग्रेस और सपा समेत अन्य विपक्षी दलों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने विदेश में लोकतंत्र संबंधी राहुल गांधी के बयान की कड़ी निंदा की। साथ ही संसद की कार्यवाही नहीं चलने देने के लिए भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विदेश में भारत को बदनाम कर रहे हैं। कांग्रेस को संविधान पर भरोसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि सोनिया और राहुल समेत अन्य कांग्रेस नेताओं ने जितनी बार नरेन्द्र मोदी को गाली दी, तो जनता ने उतनी बार कमल को और मजबूती के साथ खिलाया। मोदी को गाली देने वालों का हश्र बुरा हुआ है। राहुल के साथ भी यही हुआ। उनकी सांसदी चली गई। अब वे केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। जबकि उनकी सांसदी नियम के तहत गई है। इसी नियम से अब तक 17 नेताओं की सदस्यता जा चुकी है।

गृहमंत्री शाह ने कांग्रेस, सपा और बसपा का जिक्र कर कहा कि तीनों पार्टियां श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में रोड़ा अटका रही थीं, लेकिन मोदी सरकार ने मंदिर निर्माण में अहम भूमिका निभाई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब भव्य राम मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार फिर भाजपा 300 से अधिक लोकसभा सीटें जीतेगी और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे।

कार्यक्रम को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का सहयोग सभी को प्राप्त होगा। विकास हर गरीब और हर नौजवान तक पहुंचाया जा रहा है। पिछले कुछ सालों में भारत का विकास हुआ है। दुनिया अब भारत की तरफ देखती है।

जिला सांख्यिकी अधिकारी ओपी सिंह ने बताया कि 612.94 करोड़ लागत की 116 परियोजनाओं को गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया।

उपराष्ट्रपति ने स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर स्मारक डाक टिकट का किया विमोचन, कहा

अद्वितीय समाज सुधारक थे स्वामी, देश के स्वाधीनता संग्राम में भी था योगदान

एजेंसी, नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया।

उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती का समारोह बदलते भारत की तस्वीर है। एक समय था, जब लगता था हमारे यहां महापुरुष हैं ही नहीं, संस्थाओं का जो नामकरण होता था वो बहुत सीमित हो गया था। उसमें खुलापन आ रहा है, हमारा इतिहास पूरी तरह दिखाया जा रहा है, यह बहुत सुखद परिवर्तन है।

उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज का दिन महत्वपूर्ण है, आज ही के दिन 148 वर्ष पूर्व, स्वामी दयानंद ने मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की थी।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

इस अवसर पर केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहान, स्मारक डाक टिकट के प्रस्तावक लोक सभा सांसद डॉ सत्य पाल सिंह, लोक सभा सांसद स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से स्वामी रामदेव, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से स्वामी चिदानंद सरस्वती, संचार मंत्रालय एवं डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं आर्य समाज के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी, 1824 को हुआ था। वे एक अद्वितीय समाज सुधारक थे, जिनका देश के स्वाधीनता संग्राम में भी विशेष योगदान था। उन्होंने 1875 में सामाजिक असमानताओं से निपटने के लिए आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज ने सामाजिक सुधारों और शिक्षा पर जोर देकर देश की सांस्कृतिक एवं सामाजिक जागृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने ऋग्वेद की उक्ति, कृण्वन्तो विश्वमार्यम्ह्व को अपने जीवन का आदर्श बनाया और समाज में तत्समय व्याप्त जाति एवं लिंग आधारित असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठाई। उन्होंने वेदों की ओर लौट चलने का आह्वान किया और वेद पठन-पाठन को भारतीय परंपरा के अनुसार सुलभ बनाने के उद्देश्य से देश भर में गुरुकुलों की स्थापना करवाई, जिनमें महिलाओं और वंचित वर्गों के लोगों को निशुल्क शिक्षा का समान अधिकार दिलवाया।

डॉ सत्य पाल सिंह ने बताया कि आज से 148 साल पहले, 7 अप्रैल को ही स्वामी दयानंद सरस्वती ने काकडवाडी, मुंबई में आर्य समाज की स्थापना कर आर्य समाज के गठन की नींव रखी थी। अतः उपराष्ट्रपति से इस ऐतिहासिक डाक टिकट का विमोचन आज ही के दिन करने का निवेदन किया गया था।

उन्होंने बताया कि आर्य समाज ने दो वर्ष तक चलने वाले महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती के कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों द्वारा करवाई और इसी क्रम में, स्मारक डाक टिकट का विमोचन उपराष्ट्रपति द्वारा किया जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत सरकार आर्य समाज और उसके प्रणेता, स्वामी दयानंद सरस्वती के प्रति आदर और सम्मान से भरी है। डॉ सत्य पाल सिंह ने केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान का कार्यक्रम के लिए अपना बहुमूल्य समय देने पर आभार जताया। साथ ही, उन्होंने इस आयोजन के लिए भारत सरकार के संचार मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय का आभार व्यक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

शिक्षा मंत्री का अंतिम दर्शन पाने को सड़क पर उतरे समर्थक

बोकारो : दिवंगत शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन पाने के लिए पेटरवार से लेकर जैनामोर तक सैकड़ों समर्थकों की भीड़ लगी रही। कोई रास्ते में खड़े होकर हाथ जोड़कर नमन करता दिखा तो कोई हाथों में पुष्प लेकर अर्पित करता हुआ दिखा। बोकारो जिले की सीमा से जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने दिवंगत शिक्षा मंत्री के पार्थिव शरीर को लेकर उनके गांव अलार्गो जा रहे हैं। मौके पर कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, विरोधी दल के मुख्य सचेतक बिरंचि नारायण, मंत्री मिथिलेश ठाकुर सहित कई विधायक और झामुमो कांग्रेस के नेता शामिल है। पेटरवार के बाद दांतू, बहादुरपुर, बंधडीह, जैनामोर में लोगो के अंतिम दर्शन के लिए वाहन को रोका गया।

रामगढ़ थाना चौक में रखा गया 2 मिनट का मौन

रामगढ : झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री स्वर्गीय जगरनाथ महतो के लिए रामगढ़ थाना चौक शांति टॉकीज के समक्ष 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल के अध्यक्षता में विनोद जायसवाल ने बताया कि स्वर्गीय जगरनाथ महतो काफी दिनों से चेन्नई के हॉस्पिटल में इलाज करा रहे थे अंतिम सांस चेन्नई के हॉस्पिटल में कल दिनांक 6 अप्रैल को ली साथ विनोद जायसवाल ने बताया कि स्वर्गीय जगरनाथ महतो के देहांत के बाद पूरे झारखंड में शोक की लहर है स्वर्गीय जगरनाथ महतो शिक्षा जगत के मिसाल थे शिक्षा जगत के लिए सरकारी स्कूलों में बदलाव को लेकर हमेशा प्रयासरत रहते थे उनके देहांत से शिक्षा जगत में बहुत नुकसान हुआ है इस मौके पर महिलाओं ने भी 2 मिनट का मौन रख भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया इस मौके पर बेबी देवी गुड़िया देवी अनीता देवी मंजू देवी मंजू देवी सरस्वती देवी लक्ष्मी देवी रूबी देवी चिंता देवी प्रभादेवी मधु देवी ममता देवी सुगिया देवी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थी

राज्य के शिक्षा मंत्री के निधन पर गहरा शोक जताया

रजरप्पा : प्राथमिक विद्यालय, छोटकी लारी में गुरुवार को राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई तथा पठन पाठन स्थगित किया गया। मौके पर मुख्य रूप से मौजूद सेवानिवृत्त प्राचार्य पुन्नु राम नायक ने उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। शोक सभा में प्राचार्य भोला करमाली, सेवानिवृत्त प्राचार्य पुन्नु राम नायक, कृपाल महतो, मोगीश अहमद, किष्टो महतो, सुदेश महतो सहित समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या मंदिर में शिक्षा मंत्री के निधन पर शोक सभा

रजरप्पा : कोयलांचल रजरप्पा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में राज्य के लोकप्रिय शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के असामयिक निधन पर शोक -सभा आयोजित कर उन्हें विनम्र श्रद्धाजंलि दी गयी। विद्यालय के भैया-बहनों सहित अभी आचार्य-आचार्या दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने शिक्षा के क्षेत्र में उनके कार्य की सराहना करते हुए एक अपूरणीय क्षति बताया . वहीं प्रभारी मिथिलेश कुमार खन्ना ने उन्हें शिक्षा में सुधार के लिए सदैव संघर्षरत रहने वाले जनता का सच्चा सेवक कहा।

जगरनाथ महतो के अधुरा सपना को हम पूरा करेंगे : इमाम

रामगढ़ : शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो को उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। टाइगर जगरनाथ महतो का आकस्मिक निधन से पुरा राज्य सदमे में है। इनका सबसे बड़ा सपना 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना लेकिन अफसोस पुरा नहीं हो सका। इसलिए हम तमाम झारखण्डी व स्वर्गीय जगरनाथ महतो के चाहने वालों का कर्तव्य है उनके अधुरे सपना को पुरा करना। इधर झारखण्ड में लूट जारी है 60:40 वाली नियोजन नीति के आधार पर सरकार बहाली निकाल रही है ताकि दुसरे राज्य के लोग ज्यादातर नौकरी में आ सके। राज्य के छात्र लगातार 60:40 खिलाफ व खतियान आधारित स्थानीय-नियोजन नीति की मांग को लेकर आन्दोलन हो रहा है लेकिन सरकार के कान में जूं तक नही रेंग रही है। इसी बीच झारखण्ड यूथ एशोसिएशन ने 10 अप्रैल को संपूर्ण झारखंड बंद बुलाई है। जिसकी तैयारी जोरो पर है। झारखण्ड यूथ एशोसिएशन के केंद्रीय संयोजक इमाम सफी ने कहा स्वर्गीय जगरनाथ महतो के अधुरे सपना को पुरा करना हम सभी का कर्तव्य है इसके लिए आन्दोलन को और तेज करने की जरूरत है, यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शिक्षा मंत्री का निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति : गुलचंद

डाड़ी : प्रखंड के रबोध पंचायत के सेनेगडा में झारखण्ड कुरमी महासभा की ओर झारखण्ड के शिक्षा मंत्री सह झारखण्ड के टाइगर जगरनाथ महतो के निधन होने पर सेनेगडा में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया गया। झारखंड कुरमी महासभा के प्रदेश के युवा कोषाध्यक्ष गुलचंद महतो ने कहा कि हमलोगों ने झारखण्ड के वीर योद्धा खोये है जो झारखण्ड के लिए अपूरणीय क्षति हुई है जो हमें इसकी कमी हमेशा खलेगें। इस मौके पर डाड़ी प्रखंड अध्यक्ष बिहारी महतो,मोहारलाल महतो, प्रमेश्वर महतो,बाजीराम महतो, रोहित कुमार, दिनेश महतो,चितामनी महतो, महेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सरना आवासीय उच्च विद्यालय में शोक सभा का आयोजन

शोक सभा का आयोजन किया गया सरना ग्रामीण विकास समिति द्वारा संचालित सरना आवासीय उच्च विद्यालय कोठार मैं टाइगर जगरनाथ महतो का दिनांक 6 अप्रैल 2023 दिन बृहस्पतिवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनकी आत्मा की शांति के लिए सरना आवासीय उच्च विद्यालय के शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने भगवान से प्रार्थना की और कहा कि परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। शोकाकुल परिवार को दुख की घड़ी सहन करने की शक्ति प्रदान करें। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा ने कहा झारखंड ने एक महान आंदोलनकारी जुझारू कर्मठ और जनप्रिय नेता खो दिया। साथ ही विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं एवं बच्चों के द्वारा गुड फ्राइडे के बारे में बारी बारी से चर्चा परिचर्चा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक महेश कुमार महतो, अभय रंजन, वीरेंद्र कुमार आदि शामिल थे।

प्रधानमंत्री ने ईसा मसीह को किया याद

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुड फ्राइडे पर ईसा मसीह को याद किया। उन्होंने कहा कि दर्द और पीड़ा का सामना करने के बावजूद सेवा और करुणा के अपने आदर्शों से वह कभी विचलित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया- आज गुड फ्राइडे पर हम प्रभु मसीह के बलिदान की भावना को याद करते हैं। उन्होंने दर्द और पीड़ा का सामना किया, लेकिन सेवा और करुणा के अपने आदर्शों से वे कभी विचलित नहीं हुए। प्रभु मसीह के विचार लोगों को प्रेरित करते रहें।

केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में किया योग महोत्सव का शुभारंभ

डिब्रूगढ़ (असम) : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में अब सिर्फ 75 दिन शेष हैं। इस बीच केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा शुक्रवार योग महोत्सव का आयोजन किया गया है। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित योग महोत्सव में भाग लेते हुए इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्री, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री के साथ ही अरुणाचल प्रदेश के साथ-साथ पूर्वोत्तर के कई राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री और असम के कई मंत्रियों ने हिस्सा लिया। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और खेल संस्थानों के हजारों छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

गरीब कैदियों को न्याय दिलाने में मदद करेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली : मोदी सरकार गरीब कैदियों की मदद के लिए आगे आई है। सरकार अब ऐसे कैदियों को आर्थिक मदद देगी जो धनाभाव के कारण जुमार्ने की राशि नहीं चुका पाने की वजह से जमानत या जेल से रिहा होने में असमर्थ हैं। इस संबंध में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जेलों में बंद ऐसे कैदी जो जुमार्ना या जमानत राशि वहन करने में असमर्थ होने के कारण जेलों से छुटकारा नहीं पा रहे हैं। केन्द्र सरकार ऐसे कैदियों को आर्थिक मदद करेगी और उन्हें न्याय दिलवाने में सहयोग करेगी। मंत्रालय के अनुसार कैदियों की मदद के लिए बनाई गई योजना की व्यापक रूपरेखा को संबंधित हितधारकों के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया है, जिसके तहत भारत सरकार, उन गरीब कैदियों को राहत देने के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, जो आर्थिक तंगी के कारण जुमार्ना नहीं चुका पाने की वजह से जमानत या जेल से रिहा होने में असमर्थ हैं। प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए और गरीब कैदियों तक लाभ की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान अमल में लाए जाएंगे। जिसके तहत ई-प्रिजन प्लेटफार्म को सशक्त बनाया जाएगा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को मजबूत किया जाएगा और जरूरतमंद गरीब कैदियों आदि को गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों को सेन्सिटाइज और उनका क्षमता निर्माण किया जाएगा।

स्वास्थ्य का अधिकार नागरिकों का हक, पूरे देश में हो लागू : कांग्रेस

नई दिल्ली : कांग्रेस ने कहा कि 'स्वास्थ्य का अधिकार' देश के हर नागरिक का हक है। इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। राजस्थान सरकार ने 'स्वास्थ्य का अधिकार' विधेयक को पारित कर सिद्ध कर दिया है कि राज्य सरकार जनता के साथ खड़ी है। कांग्रेस मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान राजस्थान के चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गरीब परिवारों की पीड़ा को समझा और सभी के लिए मुफ्त जांच व दवाइयों की सुविधा शुरू की। निरोगी राजस्थान के संकल्प को पूरा करने के लिए ही उन्होंने 'चिरंजीवी योजना' की शुरूआत की। मीणा ने कहा कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त में इलाज दिया जाता है। अब राज्य का कोई भी नागरिक 25 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त करा सकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कराने वाले लोग 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज किसी भी लिस्टेड अस्पताल में प्राप्त कर सकेंगे। मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से 'स्वास्थ्य का अधिकार' हर नागरिक को देने का वादा किया था। जिसे उन्होंने पूरा किया। अब देश के प्रधानमंत्री को इस योजना को पूरे देश में लागू करना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

अलकतरा घोटाला: छह आरोपियों को समन जारी

रांची : चर्चित अलकतरा घोटाला में 1.08 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब ईडी कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलेगा। इस मामले में ईडी ने 6 आरोपियों महेश मेहरा एवं नागवंत पांडेय सहित कौशल्या इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, कौशल्या टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड, कौशल्या निर्माण प्राइवेट लिमिटेड, बंगाल केडीसी हाउसिंग डेवलपमेंट लिमिटेड के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। जिस पर ईडी कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को 8 मई को कोर्ट में उपस्थित होने के लिए समन जारी किया है। इस मामले में ईडी ने ईसीआईआर 3/2023 दर्ज किया है। दरअसल, वर्ष 2021 में ईडी ने झारग्राम में कौशल्या हेरिटेज होटल को जप्त किया था। कंपनी ने 59 रसीद जमा की थी। इसमें से 33 रसीद ही सही मिली थी। 560.959 मैट्रिक टन अलकतरा से संबंधित 1.08 करोड़ वाली रसीद फर्जी पाई गई थी।

पंकज मिश्रा ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में लगाई गुहार

रांची : टेंडर मैनेज करने और साहिबगंज जिले में अवैध खनन के जरिए अकूत संपति अर्जित करने के आरोपी पंकज मिश्रा ने अपनी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। झारखंड हाईकोर्ट ने 28 फरवरी को पंकज मिश्रा की जमानत अर्जी खारिज करते हुए उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद पंकज मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की है। बता दें कि सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को ईडी ने पिछले वर्ष जुलाई महीने में गिरफ्तार किया था। अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में 11।88 करोड़ रुपये जमा थे, जिसे ईडी जब्त कर चुकी है। जांच के दौरान ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान कई दस्तावेज और 5।34 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गये थे। तलाशी अभियान के दौरान, ईडी ने साइट से अवैध रूप से संचालित किये जा रहे पांच स्टोन क्रशर, पांच अवैध बंदूक और कारतूस भी जब्त किये थे।

तस्वीर के साथ आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े नेताओं की तस्वीर लगाकर आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में इटकी के युवक को महाराष्ट्र पुलिस ने पकड़ा है। शुक्रवार को महाराष्ट्र पुलिस ने छापेमारी कर इटकी थाना क्षेत्र से शमीम जावेद अंसारी को गिरफ्तार किया है। शमीम एस एफ फन क्लब के नाम से यू ट्यूब चैनल चलाता है। उसके खिलाफ महाराष्ट्र के भाजपा सांसद ने पुणे के निगड़ी थाने में एफआईआर दर्ज करवायी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इटकी निवासी शमीम जावेद अंसारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस की सोनिया गांधी, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सहित कई वीवीआईपी की तस्वीरों को एडिट कर आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद महाराष्ट्र में बीजेपी सांसद ने एफआईआर दर्ज करायी। इसके बाद आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा 67, 68 और भादवि 295 की धारा दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू हुई।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पत्नी की हत्या करते बच्चों ने देख लिया, पिता ने दोनों को मार डाला

ट्रिपल मर्डर में खुलासा : पति, सास-ससुर समेत चार गिरफ्तार

- ठाकुरगांव के बगदा जंगल में जली अवस्था में मिली थी तीनों की लाश

गिरफ्तार आरोपी बिजेंद्र (पति), कमल राम (ससुर), कोशिला देवी (सास) और रीना देवी (भाभी) ● फोटोन न्यूज

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

रामगढ़ में रहने वाली महिला ममता देवी और दो बच्चों की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने उसके पति बिजेंद्र, ससुर कमल राम, सास कोशिला देवी और भाभी रीना देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी बिजेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी का किसी युवक के साथ अवैध संबंध था। इस वजह से उसने ममता देवी को घर के अंदर गला घोंट कर मार डाला। बिजेंद्र ने पत्नी की हत्या की तो दोनों बच्चों ने देख लिया। बिजेंद्र और उसके घरवालों को लगा कि बच्चों ने देख लिया है सभी पुलिस की पकड़ में आ जाएगा। इस वजह से आरोपियों ने दोनों बच्चों को भी गला घोंट कर मार डाला। इसके बाद आरोपियों ने महिला और दोनों बच्चों को ठाकुरगांव इलाके लेकर आएं और वहां तीनों मृतकों को जला दिया। लेकिन पुलिस ने जब शव बरामद किया तो महिला का कुछ चेहरा दिख रहा था। इस वजह से पुलिस सभी आरोपियों तक पहुंच गई। पुलिस ने घटना स्थल से जितना सामान बरामद किया है सभी को जांच के लिए एफएसएल भेज दिया है। यह जानकारी रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी।

साक्ष्य मिटाने के लिए तीनों शव को बगदा जंगल ले जाकर जला दिया

एसपी ने बताया कि पांच अप्रैल को ठाकुरगांव थाने में लातेहार निवासी मोहन राम ने लिखित आवेदन दिया था कि उनके दमाद और उनके परिजनों ने मिलकर उनकी पुत्री ममता और उसके दोनों पुत्र की हत्या कर दी है। साथ ही बताया गया था कि हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए तीनों शव को बेती बगदा जंगल में ले जाकर जला दिया गया है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम को जांच के क्रम में पता चला कि रामगढ जिले के बासल थाने में एक महिला और दो बच्चों के गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया है। इसी दौरान महिला के पति को टीम ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में महिला ममता देवी के पति ने पुलिस को बताया कि उन्हें शक था कि उनकी पत्नी का किसी के साथ अवैध संबंध है। उसका बच्चा भी नहीं है। इसी शक में वह अपने परिजनों के साथ मिलकर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दिया। साथ ही दोनों बच्चों का भी गला दबाकर हत्या कर दिया। साक्ष्य मिटाने के लिए तीनों शव को जला दिया।

सीसीटीवी में कैद हुआ है आरोपी बिजेंद्र

पुलिस का कहना है कि कई जगहों पर लगे सीसीटीवी की जांच की गई तो आरोपी को रांची में देखा गया है। हालांकि आरोपी बिजेंद्र ने हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है। आरोपी ने बताया कि पुलिस से बचने के लिए वह रामगढ़ से ठाकुरगांव इलाके में आया था और उसने शव को जला दिया था।

इनके निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गयाबाइक, मोबाईल, एक जोड़ा पायल, चुड़ी, गर्दन का माला, चाकू, अधजला सूटकेश, अधजला चप्पल सहित अन्य समान बरामद किया गया।

इधर, आरोपी के ससुर ने बिजंद्र का उसकी भाभी के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाया है। इस बिंदु पर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस कांड का खुलासा तो कर लिया गया है लेकिन हत्या क्यों हुई है इसकी गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस इस मामले में अलग-अलग लोगों का बयान लेगी। पुलिस जल्द ही आरोपियों को रिमांड पर लेगी।

हाईस्कूल भरनो की मान्यता खत्म करने का आदेश निरस्त

विशेष संवाददाता, रांची।

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट में शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से स्थापना अनुमति प्राप्त हाई स्कूल, करंज, भरनो (गुमला) की मान्यता वर्ष 2018 में झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के रद किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने जैक की ओर से करंज, हाई स्कूल, भरनो की स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालय की मान्यता रद करने के आदेश को निरस्त कर दिया।

दरअसल, जैक के आदेश को मैनेजिंग कमेटी हाई स्कूल, करंज, भरनो के सचिव ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने कोर्ट को बताया कि जैक ने डीसी को तीन सदस्य वाली कमेटी गठित करने के लिए पावर दिया गया था। इस कमेटी में सीओओ, भरनो के अलावा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी शामिल थे, जिन्हें सभी स्थापना अनुमति प्राप्त स्कूलों की जांच करनी थी। तीन सदस्य कमेटी के बजाय मात्र एक सदस्य की कमेटी, जिसमें प्रखंड कल्याण पदाधिकारी थे, उन्होंने स्थापना अनुमति प्राप्त स्कूल की जांच की। कोर्ट ने इस जांच को सही नहीं ठहराते हुए जैक के स्थापना अनुमति प्राप्त हाई स्कूल, करंज की मान्यता रद करने के आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही इस हाई स्कूल को फिर से स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालय बहाल करने का निर्देश जैक को दिया है।

दाहू यादव की याचिका पर ईडी को नोटिस, अगली सुनवाई 13 अप्रैल को

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को 1000 करोड़ रुपये के अवैध खनन मामले से जुड़े पंकज मिश्रा के सहयोगी राजेश यादव उर्फ दाहू यादव की याचिका पर सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने का नोटिस जारी किया। अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। दाहू यादव एवं अन्य के खिलाफ ईडी ने ईसीआईआर 4/2022 के तहत मामला दर्ज किया है। दाहू यादव ने ईडी कोर्ट के गिरफ्तारी और कुर्की वारंट को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। ईडी कोर्ट ने 30 अप्रैल को दाहू यादव और उसके भाई सुनील यादव की संपत्ति कुर्क करने के लिए वारंट जारी किया है। दाहू यादव पहली बार 18 जुलाई 2022 को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए हाजिर हुआ था। बाद में ईडी पंकज मिश्रा और उसे आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करना चाहती थी। इसके लिए उसे समन भेजा गया, लेकिन दाहू यादव ईडी के समक्ष हाजिर नहीं हुआ।

गठबंधन की सरकार ने घोटालों में ही नाम दर्ज किया : मेयर

वरीय संवाददाता, रांची।

भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री सह रांची की मेयर डा. आशा लकड़ा ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने अब तक विकास का कोई काम नहीं किया। झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की इस सरकार ने घोटालों में ही अपना नाम दर्ज किया है। मनरेगा, नल-जल योजना, मध्याह्न भोजन योजना, गरीबों का अनाज हो या स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाओं की खरीद, इन सभी योजनाओं की जांच की जाए तो घोटाला ही घोटाला नजर आएगा।

उन्होंने शुक्रवार को कहा कि राजधानी में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में शुरू की गई योजनाओं को हेमंत सोरेन की सरकार अपनी उपलब्धि बता रही है। कांटाटोली फ्लाईओवर हो या रातू रोड का एलिवेटेड रोड, सिरमटोली से मेकॉन तक ब्रिज निर्माण की योजना हो या जेल चौक स्थित बिरसा मुंडा पार्क, इसकी तैयारी पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में ही की गई थी।

जयपाल सिंह स्टेडियम, स्मार्ट सिटी, चौक-चौराहों का चौड़ीकरण व सुंदरीकरण भी रघुवर सरकार की ही देन है। इससे यह स्पष्ट है कि इस सरकार के पास राज्य के विकास की न तो रूपरेखा है और ना ही विजन। हर विभाग में भ्रष्टाचार हावी है। कोरोना काल में ही इस सरकार ने भ्रष्टाचार का बीजारोपण किया जो अब तक फलफूल रहा है। ऐसे में इस राज्य के विकास की परिकल्पना कैसे साकार होगी।

कल हल्की बारिश के आसार, बढ़ेगा अधिकतम तापमान

वरीय संवाददाता, रांची।

राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दक्षिण पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवा के कारण तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि नौ अप्रैल को राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल के साथ वर्षा होने की भी संभावना है। फिलहाल धूप का असर साफतौर पर दिख रहा है। तापमान में दो से तीन डिग्री तक बढ़ोतरी हुई है। गर्मी का अहसास कुछ इस तरह है कि लोग बाहर निकलने से कतराने लगे हैं। खिली धूप से धीरे-धीरे मौसम का मिजाज बदलने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वरीय वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 10 अप्रैल के बाद से राज्य के तापमान में वृद्धि होगी।

अब मौसम की मिलेगी सटीक सूचना, आब्जर्वेशन नेटवर्क का हो रहा विस्तार

वरीय संवाददाता, रांची।

राज्य में मौसम के सटीक विश्लेषण की तैयारियां की जा रही हैं। आब्जर्वेशन नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इस नेटवर्क विस्तार से मौसम विज्ञान केंद्र रांची को 80 नहीं बल्कि 250 जगहों से मौसम से संबंधित जानकारी प्राप्त होगी, जिसके बाद आमजनों व किसानों को सटीक जानकारी उपलब्ध हो पाएगी। वहीं दूसरी ओ रांची स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत रांची शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर मौसम की सही जानकारी स्मार्ट स्क्रीन पर देने की भी योजना है। एसएमएस के माध्यम से मौसम अपडेट लोगों तक पहुंचाए जाऐं। इसके अलावे राज्य में 18 आटोमेटिक वेदर स्टेशन को डेवलप किया जा रहा है। बता दें कि रांची मौसम विज्ञान केंद्र को पहले 80 जगह से वर्षा की सूचना मिलती थी। जिसे अपग्रेड करने के बाद फिलवक्त 150 जगहों से सूचना मिल रही है और साल के अंत तक 250 जगहों से मौसम संबंधी सूचना लिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद ने कहा कि आब्जर्वेशन नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है। टूरिज्म प्लेस पर वैरिएबल मैसेज साइन बोर्ड लगाए जाने की योजना है। जिसे धीरे-धीरे पूरे झारखंड में विस्तार दिया जाएगा।

थंडर स्टार्म टेस्ट बेड प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। रांची कई ऐसे इलाके हैं जहां वज्रपात के कारण काफी नुकसान व हादसे होते हैं। इस प्रोजेक्ट के बाद वज्रपात के कारण होने वाले नुकसान को रोका जा सकेगा। अभिषेक आनंद ने कहा कि फिलहाल रांची के अलावे जमशेदपुर और डाल्टेनगंज में 3 विभागीय वेधशाला, बोकारो और चाईबासा में 2 अंशकालिक वेधशाला और 18 कार्यात्मक स्वचालित मौसम स्टेशन शामिल है। जिलावार वर्षा निगरानी योजना, 3 विभागीय वेधशाला, 150 गैर-विभागीय वेधशाला जो वास्तविक वर्षा के संग्रह के लिए पूरी तरह से तैयार है। समाज की सुरक्षा और भलाई के लिए मौसम, जलवायु और जल विज्ञान सेवाओं के आवश्यक योगदान को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आमजनों से भी उनकी सलाह मांगी जा रही है ताकि उसी अनुरुप विभाग के संसाधनों को अपडेट किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य में तीन में से एक व्यक्ति अभी भी पूर्व चेतावनी प्रणाली से पर्याप्त रूप से आच्छादित नहीं है।

गुड फ्राइडे : पापों के पश्चाताप के लिए क्रूस पर चढ़ गये प्रभु यीशु : फादर विल्फ्रेड

कैथोलिक चर्च में पवित्र क्रूस की उपासना, परम प्रसाद व सामूहिक आशीर्वाद के साथ हुआ संपन्न

कार्यक्रम में शामिल लोग

वरीय संवाददाता, रांची।

कैथोलिक चर्च में आज शुक्रवार को धर्म विधि कराते हुए मुख्य अनुष्ठाता फादर विल्फ्रेड ने अपने उपदेश में कहा कि आज की धर्मविधि की मुख्य घटना है पवित्र क्रूस पर यीशु मसीह के दुःख भोग व मरण को याद करना। पवित्र शुक्रवार को गुड फ्राइडे के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है शुभ शुक्रवार। वास्तव में यह सबसे बड़ा दिन है। क्रूस का चुम्बन व अनुयायियों के बीच परम प्रसाद का वितरण के बाद सामूहिक आशीर्वाद के बाद समारोह का समापन किया गया। फादर विल्फ्रेड ने कहा कि प्रभु यीशु हमारे ही द्वारा किये गये पापों के पश्चाताप के लिए क्रूस पर चढ़ गये और यह विलाप करने की बात नहीं बल्कि खुशी की बात है क्योंकि प्रभु यीशु आज भी हमारे साथ हैं।

आज से फुटबॉल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का होगा चयन

वरीय संवाददाता, रांची।

खेल प्राधिकरण रांची के तत्वावधान में नवसृजित सेंटर फॉर एक्सिलेंस फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र (एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र) के लिए बालक एवं बालिका वर्ग के 16 वर्ष से 22 वर्ष तक के खिलाड़ियों का चयन आठ अप्रैल से 29 अप्रैल तक राज्य में चलेगा। प्रथम चरण राज्य के 5 जिला मुख्यालयों में आयोजित होगी, जो गुमला से प्रारंभ होकर 29 अप्रैल को रांची में समाप्त होगी। इसमें खिलाड़ियों का बैट्री टेस्ट एवं स्किल टेस्ट किया जाएगा। आठ और नौ अप्रैल-संत इग्नासियुस हाई स्कूल- गुमला, 12-13 अप्रैल -एसोसियेशन फुटबॉल ग्राउंड- चाईबास,15-16 अप्रैल-फुटबॉल स्टेडियम दुधानी-दुमका,19-20 अप्रैल- रामा साहू हाई स्कूल- गढ़वा, 24-25 अप्रैल-कर्जन स्टेडियम-हजारीबाग और अंतिम चयन प्रक्रिया 28 और 29 अप्रैल को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम रांची में किया जायेगा। खेल निदेशक डॉ सरोजनी लकड़ा ने पत्र जारी कर उपनिदेशक देवशंकर दास को चयन समिति का अध्यक्ष, खेल परामर्शी देवेन्द्र कुमार सिंह को सदस्य सह नोडल पदाधिकारी, मो सलीम आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र चाईबासा , अजय सुभाष तिर्की आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह, योगेश प्रसाद यादव आवासीय प्रशिक्षण केंद्र साहेबगंज एवं सतीश मिंज सहायक प्रशिक्षक आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गुमला को चयन समिति का सदस्य बनाया है। चयन में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को झारखंड का निवासी होना चाहिए। खिलाड़ी का आयु 1 अप्रैल 2023 तक 16 से 22 वर्ष से अधिक न हो। खिलाड़ियों को चयन स्थल पर आधार कार्ड, मैट्रिक उतीर्ण प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। आवेदक खिलाड़ियों को मान्यता प्राप्त अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय, आल इंडिया यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित खेलों में भागेदारी अथवा मेडलिस्ट का प्रमाण पत्र जमा कराना होगा।

औद्योगिक और पर्यटन विकास तेज करने की कवायद, डीपीआर तैयार करने का काम शुरू, इसी साल शुरू हो सकता है निर्माण

झारखंड में इंटरनेशनल स्तर की छह सड़कें बनेंगी

वरीय संवाददाता, रांची।

- देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने की है योजना

औद्योगिक और पर्यटन विकास की गति तेज करने के लिए झारखंड में इंटरनेशनल स्तर की छह सड़कें बनेंगी। पारसनाथ, रजरप्पा और देवघर होली टूरिस्ट कॉरिडोर से जुड़ेंगे। इसकी सैद्धांतिक सहमति सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष में दे दी थी। सरकार अब इसके लिए डीपीआर बनाने का काम शुरू करने जा रही है। फिर इसे केंद्र सरकार के पास स्वीकृति के लिए भेजी जायेगी। केंद्र की मंजूरी मिलते ही इन सड़कों को निर्माण कार्य इसी साल शुरू हो जाएगा। यह केंद्र और राज्य संपोषित स्कीम होगी। इसके तहत राज्य के कई पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की यात्रा सुगम होगी तथा एक- दूसरे से जुड़ जाएंगे। इससे न केवल राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों को आने -जाने में सुविधा होगी, बल्कि पर्यटन से जुड़े व्यापार एवं अन्य औद्योगिक विकास होंगे। ये सड़कें फोरलेन कॉरिडोर होंगी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की होंगी। इनके बन जाने से कम समय में अधिक दूरी तय की जा सकेगी।

प्रतीकात्मक तस्वीर

टूरिस्ट कॉरिडोर की दूरी करीब 170 किलोमीटर होगी

सरकार ने राज्य के दो बड़े पयर्टन एवं धार्मिक स्थल को आपस में जोड़ने का मन बनाया है। इसमें गिरिडीह का पारसपाथ और देवघर शामिल है। इसकी दूरी कम करने के साथ यहां पहुंचने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को लुभाने के लिए होली टूरिस्ट कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का प्लान बनाया है। इस प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रजरप्पा का छिन्नमस्तिके मंदिर भी जुड़ेगा, जहां पूरे देश से श्रद्धालु जुटते हैं। होली टूरिस्ट कॉरिडोर की दूरी करीब 170 किलोमीटर होगी, जो रांची से शुरू होकर ओरमांझी- गोला- रजरप्पा- डुमरी होते हुए गिरिडीह भाया देवघर तक तक जाएगी। इससे रांची से रजरप्पा, देवघर और गिरिडीह की पारसनाथ पहाड़ी की यात्रा सुगम हो जाएगी।

नेतरहाट और मैक्लुस्कीगंज की भी यात्रा होगी सुगम : सरकार ने टूरिस्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नेतरहाट और मैक्लुस्कीगंज को भी फोकस किया है। जहां पर हर दिन देश- विदेश के पर्यटक भारी संख्या में पहुंचते हैं। सरकार ने इसे ध्यान में रखते हुए टूरिस्ट कॉरिडोर नाम से एक फोर लेने बनाने की योजना बनायी है। सरकार टूरिस्ट कॉरिडोर के नाम से करीब 270 किमी का फोर लेन बनाएगी, जो सिल्ली रंगामाटी रोड से सारजमडीह, तमाड़, खूंटी, गोविंदुपर, सिसई, घाघरा, नेतरहाट, गारू, सरयू, लातेहार, हेरहंज, बालूमाथ, मैक्लुस्कीगंज भाया चामा मोड़ तक जाएगी।

कुख्यात अमन साहू गिरोह के दो अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, लातेहार।

पुलिस ने कुख्यात अमन साहू अपराधी गिरोह के दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में निक्की यादव और दीपक उरांव शामिल है। दोनों लातेहार के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से दो देसी बंदूक तथा 11 गोलियां भी बरामद की है।

शुक्रवार को प्रेस वार्ता में एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अमन साहू गिरोह के अपराधी जिले में सक्रिय हो गए हैं। इन अपराधियों के द्वारा व्यवसाई तथा संवेदक से रंगदारी वसूली जा रही है। इस सूचना के बाद एक एसआईटी का गठन किया गया और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई आरंभ की गई। इसी बीच गुप्त सूचना के

हथियार के साथ गिरफ्तार अपराधी की जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन। ● द फोटोन न्यूज

आधार पर पुलिस ने लातेहार के पतकी जंगल के पास से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। छानबीन के दौरान इनके पास से दो देसी बंदूक और गोली भी बरामद हुई। पूछताछ के क्रम में स्पष्ट हुआ कि दोनों अपराधी अमन साहू गिरोह के लिए काम करते हैं। इनमें निक्की यादव लातेहार तथा दीपक उरांव पर पांच मामले दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि दोनों अपराधी टीएसपीसी नक्सली संगठन के लिए भी लेवी वसूलने का काम करते थे। एसपी ने कहा कि गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। छापामारी दल में पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रशेखर चौधरी, पुलिस इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, पुलिस इंस्पेक्टर बबलू कुमार, सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार महतो समेत कई पुलिस के अधिकारी शामिल थे।

ट्रिपल मर्डर में वांछित 22 साल बाद गिरफ्तार

झारखंड-बिहार में दर्ज हैं 50 से अधिक हत्या, लूट, डकैती और रंगदारी मामले

संवाददाता, हजारीबाग।

पुलिस की विशेष टीम ने झारखंड व बिहार के वांटेड और पिछले 22 साल से फरार चल रहे कुख्यात मंजर खान को पेलावल से गिरफ्तार कर लिया है खान वहां अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था।

जानकारी के अनुसार आरोपित मंजर खान पर 50 से अधिक हत्या, लूट, डकैती और रंगदारी के मामले दर्ज हैं। मूल रुप से बिहार के शेरधाटी मौलवीगंज निवासी मंजर खान वर्ष 2001 में चौपारण के सियारकोनी बंग्ला ट्रिपल मर्डर केस में वांछित था। इसके अलावा उसके खिलाफ गया के बाराचट्टी, आमस, डोभी, चौपारण, बरही, शेरघाटी, औरंगाबाद आदि थानों में भी कई मामले दर्ज है। बताया जाता है कि मंजर खान पेलावल में हर तीन माह में डेरा बदलकर रहता था। आरोप है कि इसने पेलावल के अलगडीहा में एक किराया के घर पर कब्जा कर लिया था। इसे लेकर थाना में आवेदन भी दिया गया था। दो माह पूर्व यह पेलावल के पगमल में रह रहा था।

पुलिस ने सूत्रों से मिली सूचना के बाद कोर्रा थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के नेतृत्व में टीम ने पेलावल से गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

झारखंडी बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने सात सूत्री मांगों को ले भुरकुंडा परियोजना प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, भुरकुंडा (रामगढ़)।

झारखंडी बेरोजगार संघर्ष मोर्चा कोयलांचल क्षेत्र ने मजदूरों के हक-अधिकार एवं रोड सेल पुनः चालू करने की मांग को ले गुरूवार को भुरकुंडा परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में पीओ के नाम सात सूत्री ज्ञापन सौंपा। साथ ही कहा कि लोकल सेल चालू करके कोयलांचल के प्रभावितों को रोजगार सुनिश्चित किया जाए।

सात सूत्री मांग पत्र के माध्यम से मोर्चा ने कोयलांचल क्षेत्र के मजदूरों के विभिन्न समस्याओं से प्रबंधन को अवगत कराते हुए कहा कि उक्त मांगों पर प्रबंधक अविलम्ब सकारात्मक पहल करे। कोयलांचल के प्रभावितों को भुरकुंडा कोलियरी में रोड सेल पुनः चालू कर रोजगार सुनिश्चित कराए।

ज्ञापन में भुरकुंडा लोकल सेल

भुरकुंडा परियोजना प्रबंधक को ज्ञापन सौंपते मोर्चा के लोग। ● द फोटोन न्यूज

जल्द से जल्द करने, कोयलांचल क्षेत्र के प्रभावितों को रोड सेल में शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने, बलकुदरा का कोयला भुरकुण्डा रोड सेल को 80 प्रतिशत देने, रोड के किनारे मास्ट लाईट एवं चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने, कोयलांचल के बच्चों के खेल-कूद के लिए मॉर्डन ग्राउण्ड की व्यवस्था करने, कोयलांचल के लोगों के लिए एकेसी हॉस्पीटल भुरकुण्डा में आधुनिक ईलाज की व्यवस्था करने, ईको फ्रेंडली पार्क में लगातार हो रहे आगजनी की जांच कर इसकी देखभाल की व्यवस्था करने की मांग शामिल है।

मामले पर मोर्चा के संरक्षक सह भुरकुंडा मुखिया अजय पासवान, अध्यक्ष किशुन नायक ने कहा है कि हमारी मांगों पर सीसीएल प्रबंधक अविलंब सकारात्मक पहल करे अन्यथा आंदोलन का रूख अख्तियार किया जायेगा। जिसकी सारी जवाबदेही सीसीएल प्रबंधन की होगा। ज्ञापन सौंपने वालो में विक्रम पुरर्णेन्दु, लखन पासवान, प्रेम पासवान, भोला सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

आजसू पार्टी जिला कार्यालय में रामगढ़ नगर परिषद कमेटी की हुई बैठक

13 अप्रैल को होने वाली सामाजिक न्याय मार्च कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक : युगेश बेदिया

संवाददाता, रामगढ़।

आजसू पार्टी जिला कार्यालय रामगढ में रामगढ़ नगर परिषद कमेटी की हुई बैठक। बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो व संचालन महासचिव छोटू पटेल जी ने किया। बैठक से पूर्व झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रधांजलि अर्पित किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के प्रभारी युगेश बेदिया जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, आजसू पार्टी नगर परिषद कार्यकारी अध्यक्ष हरेश राय, कोषाध्यक्ष प्रदीप ठाकुर, वार्ड नं 26 पार्षद देवधारी महतो, आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता विशेश्वर महतो आजसू छात्र संघ जिला कोषाध्यक्ष नीतीश निराला, महासचिव अमित कुमार,नगर परिषद अध्यक्ष मनोज कुमार महतो, ओबीसी के नगर परिषद अध्यक्ष नरेश महतो महिला नेत्री श्रीमती आशा महतो, अर्चना सिंह उपस्थित हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए युगेश बेदिया ने कहा की 13 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम समाजिक न्याय मार्च में नगर परिषद क्षेत्र से हजारों की संख्या में उपस्थित होंगे और वर्तमान सरकार के किलाफ में पोल खोलने का काम करेंगे। नगर परिषद उपाध्यक्ष कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार ने चुनाव पूर्व बहुत सारी वादा किया था लेकिन आज तक एक भी कार्य नही हुआ है।

वहीं आजसू पार्टी नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो ने कहा आगामी होने वाले 13 अप्रैल को सामाजिक न्याय मार्च कार्यक्रम में बत्तीसों वार्ड में जाकर बैठक कर वर्तमान सरकार की दोहरी नीतियों को बताने के काम करेंगे और 13 तारीख के कार्यक्रम में सभी वार्डो से हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे और कोठार ल्ढ पेट्रोल पंप से उपायुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए उपायुक्त महोदया को ज्ञापन सौंपेंगे।

बैठक में मुख्य रूप से वार्ड नं 26 अध्यक्ष प्रदीप महतो, वार्ड नं 32 सचिव रजनीकांत सिंह, छात्र संघ जिला उपाध्यक्ष रवि कुमार, आजसू छात्र संघ नगर परिषद महासचिव पंकज कुमार, लक्ष्मी देवी, सुनीता कुमारी, कांति कुमारी, रीना कुमारी, मंजू देवी, यशोदा देवी, प्रमिला देवी, बबिता देवी, अंजू देवी, भरत कुमार, राजेंद्र महतो आदि लोग उपस्थित हुए।

विभिन्न मांगों को ले भुरकुंडा कोलियारी रोड सेल समिति ने दिया धरना, कहा

मांगों पर पहल नहीं हुई तो होगा क्रमवार आंदोलन

भुरकुंडा (रामगढ़)।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को भुरकुंडा कोलियरी रोड सेल समिति के सैकड़ों मजदूरों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए बलकुदरा आउट सोर्सिंग का कोयला संप्रेषण ठप कर दिया। साथ ही बलकुदरा चेकपोस्ट के पास धरना में बैठ गए।

इस दौरान सैंकड़ों मजदूरों ने एक स्वर में सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए वादा खिलाफी का आरोप लगाया। कहा गया कि लोकल सेल बंद होने के कारण मजदूरों के समक्ष बेरोजगारी व पलायन जैसी समस्या उत्पन्न हो गई। 40 वर्षों से लगातार लोकल सेल के मजदूर कोयला लोडिंग का कार्य अपने परिवार का जीविकोपार्जन करते आये हैं। लेकिन 4 वर्षों से लोकल सेल बंद है जिससे हमसबों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सीसीएल प्रबंधक पुनः रोड सेल चालू

समिति के लोगों से वार्ता करते भुरकुंडा पीओ मनोज पाठक। ● द फोटोन न्यूज

कर मजदूरों को रोजगार से जोड़े।

मजदूरों ने कहा कि प्रबंधन द्वारा लगातार रोड सेल चालू करने की बात कही जाती है, कोयले का उत्पादन तो होता है लेकिन प्रबंधन सेल चालू करने की दिशा में सकारात्मक पहल नहीं करती है। मजदूर रोजगार के अभाव में दर-दर भटकने को मजबूर है। अभी भुरकुंडा कोलियरी के बलकुदरा खुली खदान से उत्पादन व संप्रेषण जारी है। लेकिन अभी तक भुरकुंडा रोड सेल में कोयला का आवंटन नहीं किया जा रहा है। इससे यह प्रतीत होता है कि सीसीएल प्रबंधन हमारी मांगों के प्रति गंभीर नहीं है।

कहा गया कि अगर रोड सेल नहीं तो भुरकुंडा कोलियरी भी नहीं। सीसीएल प्रबंधन आश्वासन देकर श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ धोखा कर रही है। प्रबंधन के इस रवैये से रोड सेल में कार्यरत मजदूरों, स्थानीय बेरोजगारों, ग्रामीण व रैयतों में काफी अक्रोश व्याप्त है। मजदूरों की सात सूत्री मांगों में भुरकुंडा रोड सेल में अधिकांश कोयला देने व पेलोडर की बजाय मजदूरों से लोडिंग कराने आदि की मागे प्रमुख हैं। बलकुदरा खुली खदान के संप्रेषण रोके जाने के बाद परियोजना पदाधिकारी मनोज पाठक, एसोएम आरके बर्णवाल, मैनेजर अविनाश चंद्रा, बबलू कुमार आदि धरना स्थल पर पहुंचें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन

बेहतर स्वास्थ्य पर दिया गया जोर

भुरकुंडा (रामगढ़) : रिभर साईड भुरकुंडा स्थित जुबिली कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 एवं 2 के तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर वर्चुअल (ऑनलाइन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी व संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अर्जुन कुमार मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वस्थ उसे ही कहा जा सकता है जो शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से समृद्ध हो। साथ ही श्री तिवारी ने पूरे मानव जाति की उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए स्वयंसेवकों को बधाई दी। डॉ. विशेश्वर रविदास ने कहा इस कोरोना महामारी काल में गरीब वही है जो हेल्थ से गरीब है। समाजसेविका गौरी सिन्हा एवं महाविद्यालय का पूर्व छात्र एवं सामाजिक कार्यकर्ता रामप्रवेश ठाकुर ने कहा कि स्वास्थ्य से बड़ा संपत्ति कुछ भी नहीं है (हेल्थ इज वेल्थ) कुमकुम कुमारी, मौली सोनी, अजय, जागृति, खुशबू, अंशु, जूही, दीपक शर्मा आदि ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा

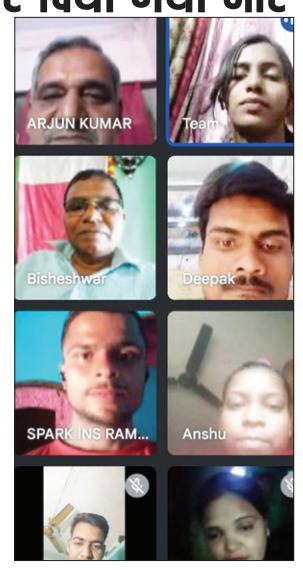

कि इस आधुनिकता के दौर में स्वयं एवं समाज के सभी वर्गों के स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विषय प्रवेश कराते हुए प्रो. अर्जुन अर्जुन कुमार मिश्रा ने कहा कि 2023 के विश्व स्वास्थ्य दिवस का थीम है सबके लिए स्वास्थ्य अर्थात संपूर्ण मानव जाति के लिए साफ भोजन, पानी, हवा, आवास एवं वस्त्र सहजता से उपलब्ध हो।

कैथोलिक आश्रम चर्च में ईसाई धर्मावलंबियों ने मनाया गुड फ्राइडे

यीशु के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

भुरकुंडा (रामगढ़)।

पटेलनगर भुरकुंडा स्थित कैथोलिक आश्रम चर्च में शुक्रवार को ईसाई समुदाय के लोगो ने गुड फ्राइडे का त्यौहार मनाया। इस मौके पर आश्रम चर्च में कोयलांचल के मसीही परिवार के सैकड़ों लोगो ने चर्च में यीशु के बलिदान को याद करते हुए प्रार्थना सभा में शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने प्रभु यीशु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया। बताया गया की गुड फ्राइडे ईसाई धर्म के लिए खास पर्व होता है।

इस दिन लोग प्रभु यीशु के बलिदान को याद करते हैं। और उनके दिखाए गए शांति और प्रेम के मार्ग पर चलने का वचन लेते हैं। इस दिन लोग गिरजा घर जाकर प्रार्थना करते हैं। ईसाई धर्म ग्रंथ

प्रार्थना सभा में प्रभु यीशु को याद करते मसीही समाज के लोग। ● द फोटोन न्यूज

बाइबल के अनुसार, मानव जाति के कल्याण के लिए प्रभु यीशु ने प्रेम, ज्ञान और अहिंसा का संदेश दिया। कहा गया कि यहूदी शासकों द्वारा कठोर शारीरिक और मानसिक यातनाएं देते हुए प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ा दिया गया। मान्यता है कि जिस दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ावा गया उस दिन शुक्रवार था। इसलिए इस दिन को बलिदान दिवस के रूप में गुड फ्राइडे कहा गया। लोग गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु के मानव जाति के उत्थान के लिए अपनी आहुति देने के बलिदान को याद करते हैं। मसीही परिवार द्वारा गुड फ्राइडे को यीशु के दुःख-भोग और क्रूस मरण के पलो को याद करते हुए गिरजाघर में प्रार्थना किया जाता है। मौके पर फादर थोमस, फादर बरनाबस, फादर सेबरेन लकड़ा, फादर जेवियर, सिस्टर रेखा, सिस्टर सरोज, सिस्टर सुमंती टोप्पो सहित प्रदीप खलखो, पात्रिक मिंज, सुधीर मिंज, अनिश बारा, बासिल कुजुर,र ाजेश पांडेरवानी, जुस्टिन बारा, इरेनियुस गिद्ध, अमन कुजुर, जोसेफ ओडिया, उषा किरण, मलरेड एक्का, प्रीतम तिग्गा, मनीष तिग्गा, प्रमोद कुजुर, जुलिता एक्का, रजनी डुंगडुंग, रजनी बागे, हेलेन किंडो, सुमन कुमार लकड़ा, आनंद कुमार बारला, अमन तिग्गा, बेरोनिका तोपनो, फुलमनी गुड़िया, राशेल तिग्गा, रॉबिन तिग्गा सहित मसीही परिवार के दर्जनों लोग मौजूद थे।

गुड फ्राइडे के दिन ईसाईयों ने प्रभु यीशु को किया याद

प्रार्थना सभा में शामिल ईसाई समाज के लोग। ● द फोटोन न्यूज

संवाददाता, हजारीबाग।

प्रभु यीशु के सूली पर चढाने की याद में मसीही समुदाय गमगीन माहौल में गुड फ्राइडे मनाता है। गुड फ्राइडे के दिन ईसाई समुदाय के लोग प्रभु यीशु के बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं।

कैथोलिक चर्च के संत रोबर्ट बालक मध्य विद्यालय के मैदान पर बिशप आंनद जोजो ने शुक्रवार को प्रार्थना करायी। बिशप आनंद जोजो ने मसीही समुदायों के लोगों संदेश देते हुए कहा कि क्रॉस यहूदी समुदाय के लोगों के लिए अपमान का चिन्ह होता था, लेकिन प्रभु यीशु को क्रॉस पर लटकाया गया था। उसके बाद से क्रॉस चिन्ह ईसाई समुदाय के लिए मुक्ति का बन दिया। इस मौके पर फादर रैमंड ने कहा कि आज के दिन ईसाई विशेष रुप से उपवास रखते हैं और प्रार्थना के बाद ही भोजन ग्रहण करते।

ब्रीफ न्यूज

पिठोरिया : बालू के युवक पर जानलेवा हमला, एफआईआर दर्ज

रांची/पिठोरिया : पिठोरिया थाना अंतर्गत बालू गांव में जमीन पर जबरन कब्जा का विरोध करने पर गांव के युवक प्रेम कुमार यादव के ऊपर जानलेवा हमला किया गया। घायल अवस्था में उसे रिम्स रांची में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। बालू गांव के निवासी रामजन्म यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उनकी पैतृक जमीन को जबरन हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। मामला अनुमंडल दंडाधिकारी, न्यायलय सदर रांची में धारा 144 के तहत विचाराधीन है। बावजूद इसके दो दिन पूर्व ही रांची शहर के जमीन कब्जा दिलाने वाले पेशेवर गिरोह, भू-माफिया एवं गुंडे द्वारा कब्जा लेने के लिए भू-स्थल जाकर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया। इसकी सूचना उन्होंने वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को आवेदन के माध्यम से देकर न्याय की गुहार लगाई है। उस आवेदन में उन्होंने आशंका जताई थी कि उनके ऊपर जानलेवा हमला हो सकता है। आज उनलोगों के ऊपर जानलेवा हमला व मारपीट किया गया, जिसमें प्रेम कुमार यादव का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। मामला पिठोरिया थाना में दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है उक्त शिकायत में सुखदेव महतो, रूपेश कुमार यादव, राहुल कुमार यादव एवं सुनील कुमार यादव को आरोपी बनाया गया है। न्यूज लिखे जाने तक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इस घटना से पीड़ित परिवार बहुत डरा हुआ है।

शिक्षा बचाओ संघर्ष समिति की बैठक 10 अप्रैल को

भुरकुंडा (रामगढ़) : क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में स्कूली ड्रेस, पुस्तक सहित अन्य संसाधनों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ शिक्षा बचाओ संघर्ष समिति द्वारा आगामी 10 अप्रैल की सुबह 10 बजे भुरकुंडा पंचायत भवन में बैठक आहुत की गई है। उक्त जानकारी देते हुए समिति के संस्थापक सदस्य विश्वरंजन सिन्हा ने बताया कि बैठक में विभिन्न मुद्दों पर आगामी आंदोलन की रणनीति सहित शिक्षा बचाओ संघर्ष समिति द्वारा क्षेत्र के निर्धन और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए जिन्हे जरूरत नहीं वो दे जाएं जिन्हे जरूरत हो वो ले जाएं की तर्ज पर नि:शुल्क पुस्तक बैंक की स्थापना करने पर विचार विमर्श किया जायेगा। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों, अभिभावकों एवं आमजनों से उक्त बैठक में उपस्थित होकर अपना-अपना विचार व सुझाव देने की अपील की है।

रामगढ़ में गुड फ्राइडे पर विशेष प्रार्थना का आयोजन

रामगढ़ : गुड फ्राइडे यानी शुभ शुक्रवार सारा जगत प्रभु यीशु खीस्त के क्रूस पर बलिदान और सारी मनुष्य जाति के उद्धार का दिन के रूप में मनाता है। इस उपलक्ष में सीएनआई चर्च रामगढ़ में चर्च के विश्वासी गण चर्च के पादरी, प्रचारक और कमेटी संग मिलकर विशेष प्रार्थना किया तथा रांची से आए मान्यवर पुरोहित रवि हंस द्वारा क्रूस पर चढ़ाए गए यीशु मसीह के अंतिम सात वाणी पर संदेश दिया गया। उन्होंने अपने संदेश में प्रभु यीशु खीस्त के द्वारा दिए गए वचनों और मार्गदर्शन पर चर्चा की। सांसारिक जीवन तथा धार्मिक जीवन जिस अनुशासन में जीना चाहिए वह हमें प्रभु यीशु खीस्त के मार्गदर्शन से प्राप्त होता है। चर्च कमेटी द्वारा चर्च के लोगों के लिए तथा व्रत धारियों के लिए विशेष फल आहार तथा नींबू पानी की व्यवस्था की गई।

हाइटेंशन तार की चपेट में आकर ट्रक चालक की मौत

मेदिनीनगर : पांडू थाना क्षेत्र के फुलिया पंचायत सचिवालय के समीप शुक्रवार को 11 हजार बोल्ट के तार की चपेट में आने से एक ट्रक चालक की मौत हो गई। जानकारी अनुसार 11 हजार हाईटेंशन तार की चपेट में आ जाने से ट्रक में आग भी लग गई। घटना के बाद ट्रक के टायर में लगी आग को बुझाने के क्रम में ट्रक चालक गढ़वा निवासी ज्याउल हक की मौत हो गई। जबकि सह चालक बाल-बाल बच गया। घटना के बाद बिजली विभाग की लापरवाही से आक्रोशित ग्रामीण पांडू-उंटारी मुख्य सड़क को जाम कर दिया है। पांडू थाना प्रभारी पवन कुमार मौके पर पहुंच गए हैं और स्थिति को नियंत्रण में करने का प्रयास कर रहे है। बाद में ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग के महाप्रबंधक को पत्र देकर 5 लाख मुआवजा की राशि देने की मांग की है।

हाईवा की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

मेदिनीनगर : नावा बाजार थाना अंतर्गत एनएच 98 सड़क पर शुक्रवार को मॉर्निंग वॉक के दौरान तुकबेरा निवासी रिटायर चौकीदार श्याम नारायण पासवान (70) की हाईवा की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना नावा बाजार थाना को दिया गया। सूचना मिलते ही नावा बाजार थाना प्रभारी दीपक कुमार दास पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली। इसके बाद घटनास्थल पर ही सर्च अभियान शुरू कर दिया। सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने हाईवा का पता लगाया। हाईवा मालिक रंजन कुमार सिंह की खोज में पुलिस जुट चुकी है। हाईवा छतरपुर से मेदनी नगर की ओर जा रही थी। इस दौरान घटना को अंजाम दिया है ।

बहू ने सास को कुल्हाड़ी से काटकर उतारा मौत के घाट

गुमला : पारिवारिक कलह में एक बहू ने अपनी अपनी सास को गुरुवार की रात कुल्हाड़ी से काट कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बहू को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि जिला के चैनपुर थाना क्षेत्र के बेंदोरा पंचायत अंतर्गत दतरा गांव में एक परिवार रहता था।जानकारी के अनुसार घर के सभी सदस्य गुरुवार को साप्ताहिक बाजार गये थे। घर में सिर्फ सास-बहू थे। इसी दौरान दोनों आपस में किसी बात को लेकर झगड़ा कर बैठीं। इसी बीच बहू ओडिल केरकेट्टा ने घर में रखे बछिला (कुल्हाड़ी) से अपनी सास बिबयानी केरकेट्टा (65) पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी होते ही आसपास के ग्रामीणों ने घायल बिबयानी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सक ने बिबयानी को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन गुमला ले जाने के दौरान बिबयानी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को वापस गांव लाया गया। दूसरे दिन शुक्रवार को पंचायत के मुखिया सुशील दीपक मिंज ने घटना की सूचना चैनपुर पुलिस को दी गई । पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की और आरोपित बहू ओडिल केरकेट्टा को गिरफ्तार कर लिया। ओडिल से पुलिस पुछताछ कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

रामगढ़ में निकली जागरूकता रैली, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का लगाया नारा

रामगढ़ : सौदागर मोहल्ला के कुंवर टोला में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दहेज प्रथा खत्म हो जागरूकता रैली निकाली गई कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल ने किया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉक्टर निधि बजाज स्त्री रोग एवं प्रसुती विशेषज्ञ नॉर्मल डिलीवरी स्पेशलिस्ट एमबीबीएस उपस्थित होकर जागरूकता रैली में शामिल हुए साथ ही महिलाओं को बैठक कर जागरूक किया डॉक्टर निधि बजाज ने कहा कि ज्ञान महिला समिति के कार्यों से प्रभावित होकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दहेज प्रथा खत्म हो जागरूकता रैली में शामिल हुए हैं परंतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दहेज प्रथा खत्म हो तक ही सीमित ना रहे बेटी को शिक्षित बनाएं बेटी का विवाह कम उम्र में ना करें बेटी जब शिक्षित होगी तभी दहेज प्रथा खत्म होगा बेटी में समझ आएगा कि दहेज लेगा तो शादी नहीं करेंगे साथ ही जो बेटी नर्स का काम ने इच्छुक है ऐसी बेटियों को नर्स का काम सिखाएंगे साथ ही गरीब बीमार मरीजों का निशुल्क चेकअप की जाएगी निशुल्क डिलीवरी अपने प्राइवेट क्लीनिक में की जाएगी निशुल्क गर्भवती महिलाओं को दवाइयां दी जाएगी ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल ने डॉक्टर निधि बजाज का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूरे रामगढ़ जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दहेज प्रथा खत्म हो जागरूकता रैली निकाली जाएगी साथ ही बेटियों को शिक्षित बनाने को लेकर जागरूक की जाएगी महिलाओं ने भी एक सुर में कहा कि बेटी बचाएंगे बेटी पढ़ाएंगे कम उम्र में बेटी का विवाह नहीं करेंगे साथ ही कहा कि ज्ञान महिला समिति के संस्थापक विनोद जायसवाल सामाजिक कार्यों में महिलाओं के लिए बढ़-चढ़कर सहयोग करते हैं जोकि रामगढ़ जिले में मील का पत्थर साबित हो रहा है इस कार्यक्रम में सुनीता देवी किरण देवी चिंता देवी प्रभा देवी उषा देवी उर्मिला देवी संगीता देवी रूबी देवी मंजू देवी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थी।

आजाद नगर कजरी में किया इफ्तार पार्टी का आयोजन

रामगढ़ : आजाद नगर कजरी वार्ड नंबर 10 में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बहेरा पंचायत मुखिया देवकी महतो, उप मुखिया शिवचंद मुर्मू, समाजसेवी मोमताज अंसारी,मुमताजिर अंसारी, गुलाम रब्बानी, जावेद अली वार्ड सदस्य अजहरुद्दीन अंसारी, सुरेश मुर्मू, श्याम मरांडी, मोहम्मद आवेश, डाक्टर मुबारक, मोहम्मद एहसान,सफीउरहमान के जानिब से इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें मोहम्मद मुमताज के द्वारा रामजान के शुभ अवसर पर इस्लामिक धार्मिक ग्रंथ भेंट किया गया। और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

सवारी गाड़ी पलटने से एक की मौत

हजारीबाग : जिले के बडकागांव के चेपा कला पंचायत के हुदुवा जंगल में बुढ़िया नामक स्थल पर एक सवारी गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 11-12 लोग घायल हो गए। बताया गया कि कटकमदाग प्रखंड के बांका से शंकर प्रजापति पुत्र मेघन प्रजापति का बीते एक माह पहले बलिया, बड़कागांव निवासी अमृत प्रजापति की पुत्री से विवाह हुआ था। शादी की रस्म करने के लिए परिजन बांका से बलिया आ रहे थे। स्पीड अधिक होने कारण उनकी गाड़ी का एक पहिया खुल गया और वाहन खाई में जा गिरा। राहगीरों की मदद से सभी लोगों को बाहर निकाल कर मेडिकल कालेज हजारीबाग भेजा गया। घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। दुर्घटना में दूल्हा-दुल्हन को भी गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

सबको रुला गए जगरनाथ दा...

अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता, रांची।

जगरनाथ महतो की लोकप्रियता उनकी अंतिम संस्कर में उमड़ी जन सैलाब बताने के लिए काफी थी। वे जाते-जाते सभी को रुला गए। रुंआसा होकर लोग अफसोस जाहिर करते रहे। विधानसभा में सीएम हेमंत सोरेन, स्पीकर रवींद्रनाथ महतो समेत अन्य ने इन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए हरमू स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यालय में रखा गया। वहां भी इन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पार्थिव शरीर बोकारो स्थित पैतृक गांव लाया गया। इस दौरान रास्ते में इन्हें जगह-जगह श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। पैतृक गांव में इनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई दी।

झारखंड की राजनीति में टाईगर की कमी हमेशा खलेगी : सुदेश महतो

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड सरकार के मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर आजसू पार्टी प्रमुख और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो सहित अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जगरनाथ दा के निधन से झारखंड के राजनैतिक इतिहास का एक अध्याय समाप्त हो गया है। उनका जनता के साथ गहरा जुड़ाव था और वे जनहित के लिए सदा तत्पर रहें। मृदुभाषी और मिलनसार स्वभाव के धनी जगरनाथ दा पक्ष-विपक्ष सभी के चहेते थे। झारखंड की राजनीति में उनकी कमी हमेशा खलेगी। जमीन से जुड़े जनयोद्धा को अंतिम जोहार। सुदेश कुमार महतो शुक्रवार को डुमरी स्थित दिवंगत जगरनाथ महतो के आवास जाकर उनका अंतिम दर्शन किया तथा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं दूसरी ओर गिरिडीह सांसद एवं वरीय उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि गरीबों की चिंता करने वाले, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता करने वाले नेता थे। उनके असमय चले जाने से झारखंड की राजनीति में एक गहरा शून्य उत्पन्न हो गया है।

जगरनाथ महतो की शव यात्रा में शामिल पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो, घाट पर उमड़ा जनशैलाब, परिजनों को शांत्वना देते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन। ● द फोटोन न्यूज

संसद में कितना काम

भारत में विगत दिनों में संसदीय कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा है और बिना किसी ठोस नतीजे पर पहुंचे दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई। निस्संदेह, यह अफसोस और चिंता की बात है। कामकाज के आंकडे.दुखद और याद रखने लायक हैं। 17वीं लोकसभा के 11वें सत्र अर्थात बजट सत्र के दौरान लोकसभा की कुल 25 बैठकें हुईं, जो करीब 45 घंटे 55 मिनट तक चलीं। सत्ता पक्ष जहां विपक्ष को जिम्मेदार ठहरा रहा है, वहीं ज्यादातर विपक्षी दलों के अनुसार, सत्ता पक्ष ने खुद ही नारेबाजी से कामकाज विरोधी माहौल बनाए रखा। आधिकारिक रूप से यही कहा गया है कि अडानी मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर विपक्षी दल लगातार हंगामा करते रहे हैं, जिससे संसद का चलना मुश्किल हुआ है। संवाद या समन्वय प्रयासों की कमी भी खली है। संसद की गरिमा और जरूरत के प्रति संवेदनशील नेताओं के लिए यह समय चुनौतियों से भरा हुआ है। शायद चुनाव तक ऐसा ही माहौल बना रहेगा।

लोकसभा की ही छाया राज्यसभा में भी दिखी है। सभापति जगदीप धनखड़ भी चिंता जताते हुए यह मानते हैं कि संसद में बहस, संवाद, विचार-विमर्श और चर्चा की सर्वोच्चता प्रभावित हुई है। राज्यसभा में बजट सत्र के पहले भाग में 56.3 प्रतिशत कामकाज हुआ था, जबकि इसके दूसरे भाग में महज 6.4 प्रतिशत ही काम हो सका है। कुल मिलाकर, बजट सत्र में राज्यसभा में महज 24.4 प्रतिशत समय काम हो सका है। पास या फेल के पैमाने पर अगर देखें, तो यह सत्र फेल हो गया है। लगभग 103 घंटे और 30 मिनट समय बर्बाद हुआ है। यह सहज ही सोचा जा सकता है कि अगर राज्यसभा इन 100 घंटों में से पचास घंटे भी देश की किसी बड़ी समस्या पर विचार करती, तो एक दिशा हासिल होती, देशवासियों का ज्ञान बढ़ता। अब सदन में तीखी राजनीति देखकर लोगों ने क्या सीखा है, यह अलग सवाल है। बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता। आज के नेताओं की बात करें, तो राजनीति का मौका भी लौटकर नहीं आता। मतलब, संसद की कीमत पर खूब राजनीति हुई है और आगे भी होगी। नुकसान किसे हुआ है, पैसा किसका बर्बाद हुआ है, यह माननीय सांसदों को सोचना चाहिए। कुछ सांसद होंगे, जो इस पर जरूर सोचेंगे, पर ज्यादातर सांसद चुनावी तैयारियों में लग जाएंगे।

अगर चुनावी सोच हावी हो गई है, तो संसद में कामकाज आगामी सत्रों में भी मामूली ही होगा। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले तीन सत्र संभावित हैं। विचारवान सांसदों को यह सोचना होगा कि आगे के सत्रों में कैसे कितना काम करना है। यह दुख की बात है कि लोकसभा की तरह ही राज्यसभा में भी राजनीति हावी है। पहले यह सोचा गया था कि राज्यसभा में ज्यादा गंभीरता के साथ विचार-विमर्श की स्थिति बनी रहेगी, लेकिन राज्यसभा का भी चूंकि जरूरत से ज्यादा राजनीतिकरण हो गया है, इसलिए वहां लोकसभा का अनुसरण मात्र होता है। लोकतंत्र में राजनीति से बचा नहीं जा सकता, लेकिन जरूरत से ज्यादा राजनीति से जरूर बचना चाहिए।

कानून सबके लिए एक

केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे 14 विपक्षी दलों की याचिका को देश के मुख्य न्यायाधीश (उखक) की अगुआई वाली बेंच ने सुनवाई के भी योग्य नहीं माना। यह मामला दो वजहों से खास तौर पर ध्यान देने लायक है। पहली बात तो यह कि केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप भले ही अपने देश में नया न हो, ऐसा दृश्य भी आम नहीं है कि इस एक मसले पर एक-दो नहीं बल्कि 14 राजनीतिक दल एक साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हों। जाहिर है, राजनीतिक हलकों में कुछ ऐसा हो रहा है जो बहुत आम नहीं है। लेकिन अदालत ने याचिका में निहित अंतर्विरोध पर इसे दाखिल करने वालों का ध्यान दिलाते हुए कहा, ह्यआप केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं। साथ ही, यह भी कहते हैं कि नेताओं के लिए कोई स्पेशल ट्रीटमेंट नहीं चाहते क्योंकि वे भी सामान्य नागरिक हैं। फिर आप ही बताइए कि अदालत केंद्रीय एजेंसियों को यह निर्देश कैसे दे सकती है कि नेताओं के मामलों में गिरफ्तारी से पहले खास प्रक्रिया अपनाए?ह्व शीर्ष अदालत की बात सही है कि कानून हर नागरिक के लिए समान है। ऐसे में कोई भी ऐसी मांग कानून की कसौटी पर खरी नहीं उतर सकती, जिसमें किसी भी बहाने से खास लोगों के लिए विशेष व्यवहार की बात कही जाए। याचिका में कहा गया था कि 2004 से 2014 के बीच सीबीआई ने जितने नेताओं के मामलों की जांच की, उनमें से करीब 60 फीसदी विपक्ष के थे। 2014 के बाद से अब तक की अवधि में यह प्रतिशत बढ़कर 95 फीसदी तक पहुंच गया है। ईडी के मामले में भी उसी कालावधि के बीच यह आंकड़ा 54 फीसदी से 95 फीसदी हो गया। एक आरोप यह भी लगता है कि इस तरह के मामलों में दोष सिद्ध बहुत कम ही हो पाता है। इसलिए इनके राजनीतिक दुरुपयोग के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। इन आरोपों से न ही मौजूदा और न ही पिछली सरकारें बची हैं। फिर भी यह मामले का एक ही पहलू है और इस पर मौजूदा सरकार का अपना स्पष्टीकरण हो सकता है। बावजूद इसके, अगर विपक्षी दलों की शिकायत को वाजिब मान लें तब भी उनकी याचिका देश में विपक्षी राजनीति की बेचारगी भरी तस्वीर पेश करती है।

मूल्य आधारित शिक्षा सुख की अनुभूति का आधार

विश्लेषण

डॉ. सौरभ मालवीय

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःखभाग भवेत।। अर्थात सभी सुखी रहें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय के साक्षी बनें और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े। किन्तु आज भारतीय प्रसन्नता के मामले बहुत पिछड़ गए हैं। अब भारतीय पूर्व की भांति प्रसन्न नहीं रहते। वे दुखी रहने लगे हैं। एक सर्वे में यह बात सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर जारी वार्षिक प्रसन्नता रिपोर्ट के अनुसार 137 देशों की सूची में भारत 125वें स्थान पर है। वर्ष 2022 में भारत इस सूची में 144वें स्थान पर था तथा वर्ष 2021 में 139वें स्थान पर था। प्रसन्नता के संबंध में पड़ोसी देशों की स्थिति भारत से अच्छी है। यह अतिरेक सा लगता है। पाकिस्तान 108वें स्थान पर है, जबकि म्यांमार 72वें, नेपाल 78वें, बांग्लादेश 102वें और चीन 64वें स्थान पर है। इस रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड विश्व का सर्वाधिक प्रसन्नता वाला देश है। विगत छह वर्षों से वह अपने इस स्थान पर बना हुआ है। डेनमार्क द्वितीय और

भारत की प्राचीन गौरवशाली संस्कृति समस्त विश्व के सुख, समृद्धि एवं शान्ति की कामना करती है। भारतीय चिन्तन में व्यष्टि से समष्टि तक का विचार किया गया है। भारतीय पर्व इस बात का प्रतीक हैं। यहां पर प्रायः प्रतिदिन कोई न कोई लोकपर्व, व्रत, पूजा एवं अनुष्ठान का दिवस होता है, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय अपने जीवन में कितने प्रसन्न रहते हैं। हमारे धर्म ग्रन्थों में भी सुख पर अनेक श्लोक एवं मंत्र हैं।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःखभाग भवेत।। अर्थात सभी सुखी रहें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय के साक्षी बनें और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े। किन्तु आज भारतीय प्रसन्नता के मामले बहुत पिछड़ गए हैं। अब भारतीय पूर्व की भांति प्रसन्न नहीं रहते। वे दुखी रहने लगे हैं। एक सर्वे में यह बात सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर जारी वार्षिक प्रसन्नता रिपोर्ट के अनुसार 137 देशों की सूची में भारत 125वें स्थान पर है। वर्ष 2022 में भारत इस सूची में 144वें स्थान पर था तथा वर्ष 2021 में 139वें स्थान पर था। प्रसन्नता के संबंध में पड़ोसी देशों की स्थिति भारत से अच्छी है। यह अतिरेक सा लगता है। पाकिस्तान 108वें स्थान पर है, जबकि म्यांमार 72वें, नेपाल 78वें, बांग्लादेश 102वें और चीन 64वें स्थान पर है। इस रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड विश्व का सर्वाधिक प्रसन्नता वाला देश है। विगत छह वर्षों से वह अपने इस स्थान पर बना हुआ है। डेनमार्क द्वितीय और आइसलैंड तृतीय स्थान पर है। इस सूची में इजरायल चौथे स्थान पर है, जबकि नीदरलैंड्स पांचवें, स्वीडन छठे, नार्वे सातवें, स्विटजरलैंड आठवें, लक्जमबर्ग नौवें और न्यूजीलैंड दसवें स्थान पर है। सबसे कम प्रसन्न देशों की सूची में लेबनान, जिम्बॉब्वे, द डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो आदि देश सम्मिलित हैं। इस सूची में अफगानिस्तान अंतिम स्थान पर है। उसे 137वां स्थान प्राप्त हुआ है।

उल्लेखनीय है कि विगत एक वर्ष से रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध चल रहा है। फिर भी इन देशों की स्थिति भारत से अच्छी बताई गई है। इस सूची में रूस 70वें स्थान पर है, जबकि यूक्रेन को 92वें स्थान पर है। यह रिपोर्ट यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क द्वारा जारी की गई है। यह रिपोर्ट 150 से अधिक देशों के लोगों पर किए गए ग्लोबल सर्वे डाटा के आधार पर बनाई जाती है।

प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने जुलाई 2011 में प्रसन्नता के संबंध में एक प्रस्ताव अपनाया था। इसके पश्चात संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली ने 12 जुलाई 2012 को प्रस्ताव के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस संबंध में अप्रैल 2012 में भूटान की राजसी सरकार ने विश्वभर के प्रतिनिधियों की एक बैठक बुलाई थी। इसमें इस बात पर चर्चा की गई कि लोगों की प्रसन्नता और कल्याण को भी आर्थिक दृष्टिकोण की तरह देखने की आवश्यकता है। बैठक में इसके लिए एक आयोग नियुक्त करने की भी अनुशंसा की गई। भूटान के प्रधानमंत्री जिग्मे थिनले ने इस अनुशंसा को स्वीकार किया। उनका कहना था कि सभी देशों की सरकारों को लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ उनकी प्रसन्नता और कल्याण को भी अधिक से अधिक महत्व देना चाहिए। उन्होंने बैठक में प्रस्ताव रखा कि संयुक्त राष्ट्र भी इस आयोग का सह-स्वामित्व करे और यह आयोग यूएन महासचिव के सहयोग से इस दिशा में कार्य करे।

विश्वभर के प्रसन्नता वाले नगरों में उत्तर प्रदेश का कानपुर शहर सम्मिलित है। यहां के लोग प्रसन्न रहने वाले तथा मित्र बनाने वाले हैं। यह नगर समस्त भारत के लिए प्रेरणा बन गया है। इससे यह बात सामने आती है कि मित्रों के साथ रहने से व्यक्ति प्रसन्न रहता है। मित्र दुख- सुख के साथी होते हैं। मित्रों से बात करने पर मन हल्का हो जाता है। मित्र निराशा के समय आशा की किरण दिखाते हैं। मित्र प्रोत्साहित करते हैं। मित्रों के साथ व्यक्ति अपने जीवन का बहुत अच्छा समय व्यतीत करता है। मित्रों के साथ रहने से प्रसन्नता प्राप्त होती है। प्रसन्नता एक अनुभूति है। यह मानव मस्तिष्क में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक अनुभूति है। इस अनुभूति के उत्पन्न होने के अनेक कारण हैं। इनमें अपनी किसी इच्छा की पूर्ति होने पर होने वाली संतुष्टि की अनुभूति सर्वोपरि है। प्रायः जीवन बहुत विशाल होता है। जीवन से सदैव सुख प्राप्त नहीं होता। मनुष्य को अनेक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। यह अतिशय नहीं है कि जीवन में सुख कम और दुख अधिक होता है। इसके अनेक कारण है। मनुष्य जीवन में सदैव सुख की कामना करता है। वह समृद्धि प्राप्त करना चाहता है। वह अपार धनराशि संचय करना चाहता है, अर्थात वह जीवन में सबकुछ प्राप्त करना चाहता है, परन्तु सदैव ऐसा नहीं होता। उसकी कुछ इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं तथा कुछ इच्छाएं पूर्ण नहीं होतीं। उसकी जो इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं, वह उसके बारे में विचार नहीं करता, अपितु उससे अधिक की कामना करने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में वह दुख का भागीदार बन जाता है। इसके अतिरिक्त उसकी जो इच्छाएं पूर्ण नहीं होतीं वह उनके बारे में भी चिंता करता रहता है। इस चिंता के कारण वह मानसिक तनाव से ग्रस्त हो जाता है। यह मानसिक तनाव उसे अनेक प्रकार के रोगों से ग्रस्त कर देता है। इस प्रकार के मानसिक तनाव से ग्रस्त व्यक्ति आत्महत्या करके अपना जीवन भी समाप्त कर लेता है। उल्लेखनीय है कि आत्महत्या की सभी घटनाओं के पीछे मानसिक तनाव ही कारण होता है। यह स्थिति दिन-प्रतिदिन चिंताजनक होती जा रही है। वयस्क ही नहीं, अपितु बालक भी आत्महत्या जैसा जघन्य अपराध कर रहे हैं। ऐसी अनेक घटनाएं सामने आती रहती हैं। मानसिक तनाव के क्या कारण हैं? इस पर चिंतन-मनन किया जाना चाहिए। बाल्यकाल जीवन का सबसे उत्तम समय होता है। यह तनाव मुक्त होता है। बच्चों पर किसी भी प्रकार का कोई दायित्व नहीं होता। उन्हें केवल शिक्षा प्राप्त करनी होती है तथा अपना शेष समय खेलकूद में व्यतीत करना होता है। फिर आज के बच्चे तनाव ग्रस्त क्यों हैं? इसके अनेक कारण हो सकते हैं। प्रायः देखने में आता है कि माता-पिता बच्चों पर अधिक से अधिक अंक लाने का दबाव बनाते हैं। सभी बच्चे पढ़ाई में श्रेष्ठ नहीं हो सकते। बच्चे प्रातःकाल में अपने विद्यालय जाते हैं। वहां से आने के पश्चात ट्यूशन के लिए जाते हैं। वहां से आने पर विद्यालय एवं ट्यूशन का कार्य करते हैं। ऐसे में बच्चों के पास अपने स्वयं के लिए समय ही नहीं मिलता। इसके अतिरिक्त बच्चों को जबरन अन्य गतिविधियों में डालना एवं उन पर श्रेष्ठ प्रदर्शन का दबाव डालना भी उन्हें मानसिक तनाव से ग्रस्त कर देता है। माता-पिता के लिए अत्यावश्यक है कि वे अपने बच्चों की मनोस्थिति को समझें तथा उनकी पसंद एवं नापसंद का ध्यान रखें। वे बच्चों को विपरीत परिस्थितियों में भी सुख से रहने की शिक्षा दें। वे बच्चों को बताएं कि सुख और दुख दोनों ही जीवन के अभिन्न अंग हैं। हमें दुखों से घबराना नहीं चाहिए, अपितु ऐसे समय में संयम और धैर्य बनाए रखना चाहिए। यदि हम दुखों को चुनौती मानेंगे तथा स्वयं को योद्धा मानकर उसका सामना करेंगे, तो अवश्य ही हम विजय प्राप्त कर सकेंगे तथा विजेता सिद्ध होंगे। बच्चों को धार्मिक कथाएं सुनानी चाहिए कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने दुष्टों का सामना किया। इसी प्रकार भगवान राम का उदाहरण भी है कि किस प्रकार उन्होंने अपने पिता का वचन पूर्ण करने के लिए चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार किया, किस प्रकार उन्होंने रावण का संहार किया। सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र की कथा भी प्रेरणा देने वाली है कि किस प्रकार राजा हरिश्चंद्र ने अनेक कष्टों का सामना किया, परन्तु सत्य को नहीं त्यागा। इसी प्रकार पंचतंत्र की कहानियां बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी हैं तथा प्रेरक प्रसंग एवं महापुरुषों की जीवनी का ज्ञान बच्चों को करानी चाहिए।

आज के वातावरण में बच्चे टीवी या मोबाइल में ही अधिक लगे रहते हैं। ऐसे में बच्चों को टीवी पर ऐसे कार्यक्रम देखने के लिए प्रोत्साहित करें, जो उनके लिए उपयोगी हैं। दूरदर्शन के अनेक चैनलों पर शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम प्रसारित होते हैं, विद्यार्थियों के लिए बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त बच्चे मोबाइल पर भी केवल शिक्षा संबंधी चीजें ही देखें। कोरोना काल से मोबाइल भी बच्चों की शिक्षा का एक अंग बन चुका है।

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल में सहायक प्रोफेसर हैं।)

आप भी आइए 'गज उत्सव' में

यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए जैव-विविधता संरक्षण सर्वोत्तम रणनीतियों में से एक है। जैव-विविधता संरक्षण एक जटिल प्रयास होता है, क्योंकि जैविक समुदाय अपने पर्यावरण से गहरे रूप से जुड़े रहते हैं। कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियों का संरक्षण तथा कुछ आवश्यक तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण, चुनौती का मुकाबला करने में सहायता कर सकता है। विश्व स्तर पर लुप्तप्राय एशियाई हाथी (एलीफस मैक्सिमस) का भारत में संरक्षण इसका एक उदाहरण है। भारत में हाथियों और लोगों के बीच का संबंध गहरा है और दुनिया में विशिष्ट है। भारत में हाथियों की समृद्धि के प्रतीक के रूप में पूजा की जाती है। वे सांस्कृतिक प्रतीक हैं और हमारे धर्म, कला, साहित्य और लोककथाओं के हिस्से हैं। भारतीय महाकाव्य हाथियों के संदर्भों से भरे पड़े हैं। यह भी माना जाता है कि महाभारत को भगवान गणेश ने अपने एक टूटे हुए दांत से लिखा था। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से हाथियों की आबादी का रुझान, अन्य देशों के विपरीत, अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 जैसे मजबूत कानून हैं, जो हाथियों को उच्चतम कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, चाहे वे जंगल में हों या मानव देखभाल के तहत हों। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980, हाथियों के निवास-स्थानों को नुकसान और निवास-स्थानों के क्षेत्रफल में कमी लाने से बचाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले नौ वर्षों के कार्यकाल में, भारत ने मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नेतृत्व के समर्थन से हाथियों के संरक्षण के लिए एक सक्षम संस्थागत व्यवस्था का निर्माण किया है।

सामूहिक रूप से, हाथी भारत के कुल भूभाग के लगभग पांच प्रतिशत क्षेत्र में पाए जाते हैं। हाथियों की वर्तमान सीमा-क्षेत्र में संरक्षित क्षेत्र और बहु-उपयोग वाले वनों के अन्य रूप शामिल हैं। वे वन क्षेत्रों के बीच आने-जाने के लिए मानव-निवास वाले क्षेत्रों का भी उपयोग करते हैं।

हाथीदांत का अवैध शिकार, जो अफ्रीकी हाथियों के संरक्षण के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, भारत में नियंत्रण में है। हालांकि, 1970 और 1980 के दशक में ऐसा नहीं था, जब अवैध हाथी दांत के अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार के लालच में अवैध शिकार के कारण, हमने कई हाथियों को खो दिया था। इन हत्याओं ने हाथियों के संरक्षण के समक्ष एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया था और राज्यों तथा केंद्र के बीच सक्रिय समन्वय में, संरक्षण को पुनर्जीवित करने के लिए मिशन-मोड में काम करने की आवश्यकता थी। इस बात को स्वीकार करने के फलस्वरूप, 1992 में महत्वाकांक्षी हाथी परियोजना का शुभारंभ हुआ, जो बाघ परियोजना के अनुरूप था और जिसके तहत बाघों को आबादी को पतन के कगार से वापस लाने में सफलता मिली थी। हाथी परियोजना, एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जो हाथियों के संरक्षण और कल्याण के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। हाथी आरक्षित क्षेत्र, हाथी परियोजना के तहत मौलिक प्रबंधन इकाई हैं। वर्तमान में, पूरे भारत में 80,778 वर्ग किलोमीटर में फैले 33 हाथी आरक्षित क्षेत्र हैं। वर्ष 2022 में भारत में हाथी परियोजना के 30 वर्ष पूरे हुए हैं। हाथी परियोजना ने हाथी संरक्षण के प्रयासों को गति दी है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर पिछले दो वर्षों के दौरान दो नए हाथी आरक्षित क्षेत्र बनाए गए हैं। दुधवा और उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में अधिसूचित तराई हाथी आरक्षित क्षेत्र का उद्देश्य, भारत और नेपाल के बीच सीमा-पार के हाथियों के प्रबंधन में लंबे समय से चल रही समस्याओं का समाधान करना है। तमिलनाडु के दक्षिणी-पश्चिमी घाट के पहाड़ों में अगस्तियारमलाई हाथी आरक्षित क्षेत्र, पेरियार और अगस्तियारमलाई के बीच संपर्क बहाल करने की दिशा में गति प्रदान करेगा। हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए, गलियारों के महत्व को स्वीकार करते हुए, हाथी परियोजना के अंतर्गत पूरे भारत में, चिह्नित किए गए हाथी गलियारों के लिए, भू-भाग सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ महत्वपूर्ण हाथी गलियारों, जैसे उत्तराखंड में चिल्ला-मोतीचूर गलियारे, केरल में तिरुनेली-कुदरकोट गलियारे और कुछ अन्य को सफलतापूर्वक बहाल कर दिया गया है। पहली बार ओडिशा में एक महत्वपूर्ण गलियारे को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत एक संरक्षण आरक्षित क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। ट्रेन से हाथियों की टक्कर के मुद्दे को हल करने के लिए रेलवे तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की बैठकें निरंतर हो रही हैं। समस्या के समाधान के लिए दोनों मंत्रालय, राज्य के वन विभागों और अनुसंधान संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत में हाथियों के संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है - मानव-हाथी संघर्ष। सरकार इस समस्या के गंभीरता को स्वीकार करती है और संघर्षों को कम करने के लिए लोगों के साथ खड़ी है। वन्यजीवों के कारण होने वाले फसल नुकसान को शामिल करने के लिए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी नई पहलों का विस्तार किया गया है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजे का भुगतान किया जा सके। संघर्ष के प्रति प्रतिक्रिया अवधि में और समय पर अनुग्रह राशि के भुगतान में, सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत तेजी से विकास कर रहा है और आर्थिक प्रगति कर रहा है, ऐसे में समय की मांग है कि प्रकृति-संस्कृति संबंधों को बनाए रखा जाये। हमारी पौराणिक कथाएं, कला, धर्म और विरासत प्रकृति के साथ एकता के सद्गुणों पर जोर देती हैं। हाथी संरक्षण संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और असम वन विभाग भारत में हाथी परियोजना के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में गज उत्सव मनाएंगे।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

उज्ज्वला ने जिस प्रकार हमारी गरीब माताओं और बहनों के जीवन को आसान बनाकर खुशियों से रोशन किया है, वो बहुत उत्साहित करने वाला है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

अंतिम जोहार जगरनाथ दा!
झारखण्डी अस्मिता की रक्षा के लिए आपके विचार, आपके सिद्धांत और आपका मार्गदर्शन हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। आपके सभी अधूरे सपने पूरे होंगे।
आप बहुत याद आयेंगे फाइटर टाइगर!
माटीपुत्र जगरनाथ महतो अमर रहें!

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

झारखण्ड सरकार की भ्रष्ट नीतियों के खिलाफ 11 अप्रैल को सचिवालय घेराव का प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा। गोड्डा से हजारों कार्यकर्त्ता रांची आएंगे, सांसद @नीशिकांत दुबे जी की पहल पर एक विशेष ट्रेन गोड्डा से खुलेगी। गोड्डा, दुमका और देवघर के साथियों से आग्रह है कि वो इस सूचना को अधिकाधिक प्रसारित करें और लोगों से संपर्क स्थापित करें।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

बेबसी के मारे

असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांड़ी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे।

मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे।

इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती।

संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं।

गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर ह्यलेबर चौराहेह्व पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं।

ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते।

मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है।

गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

अभिव्यक्ति पर पहरा

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर अभिव्यक्ति की आजादी को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार को नसीहत दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाई दावों के जरिए मीडिया पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने करीब डेढ़ साल पहले एक मलयालम टीवी चैनल का नवीकरण यह कहते हुए रोक दिया था कि उसका संचालन राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक है। केरल उच्च न्यायालय ने भी केंद्र के उस फैसले को उचित ठहराया था। तब चैनल के प्रबंधकों ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुहार लगाई थी और उसने फैसला आने तक चैनल को अपना प्रसारण जारी रखने की इजाजत दे दी थी। अब उस मामले में फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी चैनल का नवीकरण न करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है। किसी चैनल या मीडिया संस्थान पर इसलिए रोक नहीं लगाई जा सकती कि वह सत्ता के विरोध में विचार प्रकाशित-प्रसारित करता है। सरकार की आलोचना राज्य की आलोचना नहीं होती। सरकार की नीतियों के खिलाफ विचार प्रकट करना मीडिया का धर्म है और इसी से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। अगर सरकार इसलिए किसी चैनल पर प्रतिबंध लगा देती है कि वह उसके विरोध में विचार प्रकट करता है, तो इससे यह ध्वनित होता है कि सरकार केवल उन्हीं संचार माध्यमों को चलने देना चाहती है, जो उसके पक्ष में खबरें या वैचारिक सामग्री परोसते हैं। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय को भी आड़े हाथों लिया और बंद लिफाफे में सरकार की तरफ से पेश किए गए साक्ष्यों पर एतराज जताया। गौरतलब है कि बंद लिफाफे में सुझाव या साक्ष्य पेश करने पर सर्वोच्च न्यायालय कई मौकों पर तल्ख टिप्पणी कर चुका है और उसकी स्पष्ट राय है कि कोई भी दस्तावेज गोपनीय तरीके से पेश नहीं किया जाना चाहिए।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना – रातू, जिला – रांची, झारखंड, पिन – 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक – **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे मुंबई इंडियंस और सीएसके

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में शनिवार को मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। कप्तान रोहित शर्मा की मुम्बई जहां पांच बार जबकि महेन्द्र सिंह धोनी की सीएसके चार बार खिताब विजेता रही हैं। मुम्बई को इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर सीएसके के पास धोनी जैसे करिश्माई कप्तान हैं जो हालातों को बदल सकते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो मुम्बई का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमों के बीच तब तक हुए 34 मुकाबलों में से मुंबई ने 20 मैच जीते है।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक इन दोनो ही टीमों का सफर अच्छा नहीं रहा है। मुम्बई को जहां पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं सीएसके को भी पिछले मैच में हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में टीम की गेंदबाजी बेहद खराब रही थी यहां तक की धोनी को परेशान होकर कहना पड़ा कि या तो गेंदबाज ठीक से गेंदबाजी करें या नय कप्तान तलाश लें।

उस मैच में दोनो ही युवा गेंदबाजों राजवर्धन हैंगरगेकर और तुषार देशपांडे ने काफी नो बाल कीं थीं। इस मैच में अब इन दोनो ही गेंदबाजों पर वानखेड़े मैदान की बल्लेबाजी पिच पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

मुंबई के खिलाफ मैच में जीत के लिए चेन्नई के स्पिनरों मोईन अली और मिशेल सेंटनर को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की अंतिम एकादश में दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज सिसंडा मगाला को भी जगह मिल सकती है। सिसंडा अच्छी यॉर्कर डालने के लिए जाने जाते हैं हालांकि अंतिम एकादश में उनके आने से सेंटनर को बाहर रहना होगा।

वहीं दूसरी ओर मुंबई के कप्तान रोहित को इस मैच में जीत के लिए बड़ी पारी खेलनी होगी। वह अब तक बल्लेबाजी में विफल रहे हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ तेज शुरुआत की थी पर वह उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पाये। इस मैदान की बाउंड्री छोटी है और ऐसे में मुम्बई के अनुभवी तेज गेंदबाजों जोफा आर्चर, अरशद खान, कैमरून ग्रीन के लिए आरसीबी के रुतुराज गायकवाड़ या डेवोन कॉनवे जैसे बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और झाय रिचर्डसन की जगह पर टीम में शामिल संदीप वॉरियर और रिले मेरेडिथ से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी।

इस मैदान पर शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता सकती है पर चेन्नई के पास अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं हैं और इसका फायदा मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज उठा सकते हैं। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा अच्छे फार्म में हैं। पिछले मैच में नेहाल वढेरा के साथ मिलकर उन्होंने अच्छी साझेदारी बनायी थी। टीम को जीत दर्ज करने के लिए अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे पर आधारित रहेगी। इन दोनो ने ही अब तक अच्छा प्रदर्शन किया था। रुतुराज ने शुरुआती दोनों मैच में अर्धशतक लगाकर अपनी लय दिखायी है। टीम को उम्मीद रहेगी कि दायें हाथ का यह बल्लेबाज आगे भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। कॉनवे लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अर्धशतक नहीं लगा पाये थे पर उन्होंने गायकवाड़ के साथ शतकीय साझेदारी में साथ दिया था।

इसके अलावा सीएसके के पास मध्य क्रम में शिवम दूबे और मोईन अली जैसे अच्छे खिलाड़ी है। टीम के पास अनुभवी अंबाती रायुडू के अलावा धोनी हैं जो किसी भी प्रकार के हालातों में आक्रामक बल्लेबाजी कर सकते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो सीएसके टीम की बल्लेबाजी मुंबई की तुलना में बेहतर दिख रही है। चेन्नई के लिए चिंता का सबब गेंदबाजी विभाग है। युवा तेज गेंदबाज नो बॉल फेंकने से बाज नहीं आ रहे हैं और दीपक चाहर चोट के बाद लय हासिल करने में विफल रहे हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस , तिलक वर्मा, ईशान किशन, ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरून ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहाल वढेरा, रितिक शोकीन, अर्शद खान, डुआन जेनसन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफा आर्चर, जैसन बेहरेनडोर्फ, आकाश मढवाल।

चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडु, मोईन अली, बेन स्टोक्स, रविंद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अजय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिशेल सेंटनर, सुध्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथिसा पथिराना, महीश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे।

चार्ल्सटन ओपन : शीर्ष वरीयता प्राप्त पेगुला टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में

चार्लेस्टन (एजेंसी)। चार्ल्सटन। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने लगातार 10 गेम गंवाए और अंतिम सेट में एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी करके चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में तीसरे नंबर की अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला ने 15वीं वरीयता प्राप्त इरिना कैमिलिया बेगु को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 4-6 , 6-4 से हराया। पेगुला को अगर क्वार्टर फाइनल में 12वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को हराकर अंतिम चार में जगह बनानी है तो उन्हें अपने खेल में निरंतरता दिखानी होगी।

बडोसा ने एक अन्य मैच में डायना स्नायडर पर 6-3, 6-1 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेर, तीसरी वरीय डारिया कसातकिना और मौजूदा चैंपियन बेलिंडा बेनसिच भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। जाबेर ने कारोलिन डोलहाइड को 6-3, 7-5 से, कसातकिना ने बर्नार्डा पेरा को 6-3, 7-6 (3) से और बेनसिच ने शेल्बी रोजर्स को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया।

बांग्लादेश ने आयरलैंड से एकमात्र टेस्ट मैच सात विकेट से जीता

मीरपुर (एजेंसी)। अनुभवी मुश्फिकर रहीम की शानदार बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद ही सात विकेट से जीत हासिल की। आयरलैंड ने पहली पारी में 214 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 369 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल की। आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 292 रन बनाए और इस तरह से बांग्लादेश के सामने 138 रन का लक्ष्य रखा। बांग्लादेश ने तीन विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल किया। पहली पारी में 126 रन बनाने वाले रहीम ने दूसरी पारी में नाबाद 51 रन बनाए। उनके अलावा मोमिनुल हक ने नाबाद 20 रन बनाए। लिटन दास ने 23 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। तमीम इकबाल ने 31 रन का योगदान दिया। इससे पहले आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी छह

विकेट पर 286 रन से आगे बढ़ाई और बांग्लादेश ने 36 मिनट के अंदर उसके बाकी बचे चार विकेट हासिल कर दिए। तेज गेंदबाज इबादत हुसैन ने एंडी मैकब्राइन को बोल्ड किया जो अपने कल के स्कोर में केवल एक रन जोड़ पाए। मैकब्राइन ने 72 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उनके आउट होने के बाद आयरलैंड की पारी सिमटने में देर नहीं लगी। आयरलैंड की दूसरी पारी का आकर्षण लोरकान टकर का शतक रहा। उन्होंने 162 गेंदों का सामना करके 108 रन बनाए। वह केविन ओ ब्रायन के बाद अपने पदार्पण टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले आयरलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने।

आईपीएल: राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी करना चाहेगा दिल्ली कैपिटल्स

गुवाहाटी (एजेंसी)। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैचों में हार का सामना करने वाले दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अगर जीत का खाता खोलना है तो उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में मार्क वुड और अलजारी जोसेफ जैसे गेंदबाजों ने पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे दिल्ली के बल्लेबाजों को दहशत में डाल दिया था। इन प्रतिभाशाली बल्लेबाजों का आत्मविश्वास अभी डिगा हुआ है और ऐसे में उनके लिए ट्रेंट बोल्ट, केएम आसिफ और जेसन होल्डर जैसे गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा।

इसके अलावा राजस्थान के पास रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर है जो बारसपारा स्टेडियम की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भी विरोधी टीम को परेशानी में डाल सकते हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का इस मैच में खेलना संदिग्ध है जो दिल्ली के लिए अच्छी खबर हो सकती है। बटलर पिछले मैच में कैच लेते समय चोटिल हो गए थे और उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली में टांके लगे हैं। यदि बटलर नहीं खेल पाते हैं तो जो रूट हो उनके स्थान पर अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत की अनुपस्थिति के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी कागजों पर मजबूत नजर आती है लेकिन साव और सरफराज जैसे बल्लेबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों का सामना करने में परेशानी हो रही है।

बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण दिल्ली को पहले दोनों मैच गंवाने पड़े। टीम का सबसे कमजोर पक्ष उसके पास अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों का अभाव है। यदि कोचिंग स्टाफ सरफराज की जगह किसी नए बल्लेबाज को रखना भी चाहेगा तो दिल्ली के पास यश धुल, रिपल पटेल और ललित यादव के रूप में ही विकल्प मौजूद है। इनमें से कोई भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जिसने 150 की स्ट्राइक रेट से लगातार रन बनाये हो। जहां तक राजस्थान रॉयल्स की बात है तो सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और वह एनरिक नोर्किया, खलील अहमद और कुलदीप यादव जैसे गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने अपना पिछला मैच गंवाया था लेकिन इसके बावजूद वहां इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

फाइनलिसिमा फुटबॉल : इंग्लैंड ने ब्राजील को हराकर पहला महिला खिताब जीता

लंदन। इंग्लैंड ने क्लो केली के गोल के दम पर ब्राजील को यहां पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से पराजित करके पहला महिला फाइनलिसिमा फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीता। यह मुकाबला यूरोप और दक्षिण अमेरिका की चैंपियन टीमों के बीच खेला जाता है। वेम्बले में खेले गए इस फाइनल मैच को देखने के लिए 83,132 दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। इलिया टूने के 23वें मिनट में किए गए गोल से इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन ब्राजील ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। ब्राजील की एंड्रेसा अल्वेस ने इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी एर्प्स की गलती का फायदा उठाते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट तक खिंच गया जिसमें इंग्लैंड की तरफ से जॉर्जिया स्टैनवे, राचेल डेली, एलेक्स ग्रीनवुड और केली ने गोल करके जीत सुनिश्चित की। दोनों टीम ने मैच शुरू होने से पहले पेले को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका पिछले साल दिसंबर में निधन हो गया था।

कोहली और डु प्लेसिस को शुरुआत में बड़ें शॉट से बचना चाहिये था : कोच

कोलकाता । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच संजय बांगर अपनी टीम की हार से निराश हैं पर उनका मानना है कि विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शुरुआत में बड़े शॉट खेने से बचने का प्रयास करना चाहिये था। इस मैच में आरसीबी की टीम को 81 रनों से बड़ी बाहर झेलनी पड़ी थी। केकेआर ने सात विकेट पर 204 रन बनाने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 123 रनों पर ही समेट दिया था। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम केकेआर के स्पिनरों सुनील नरेन , वरुण चक्रवर्ती और युवा सुयश शर्मा का सामना नहीं कर पाये थे। बांगर ने कहा, '' मुझे लगा कि हमारे कुछ बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने में संयम बरत सकते थे। इसको लेकर हम खिलाड़ियों से बात करेंगे। टी20 खेल का छोटा प्रारूप है और यहां आप बहुत जल्दी मैच हाथ से निकल जाता है।'' बांगर ने कहा, '' हमारे कई बल्लेबाजों को स्पिनरों ने परेशान किया और गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी किनारा पर लगी या उसके पास से गुजरी। इस दौरान हमने दबाव में स्पिनरों को खेलने में कई गलतियां कीं।''इस मैच में नरेन के अलावा , चक्रवर्ती और सुयश ने कुल मिलकर नौ विकेट लिए। बांगर ने कहा कि नरेन और चक्रवर्ती जैसे स्पिनरों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को आगे बढ़कर खेलना चाहिये।

फेरी भारतीय महिला हॉकी टीम, हल्केट पुरुष टीम के विश्लेषणात्मक कोच बने

-मुख्य कोच यानेके शोपमैन की सहायता करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंथनी फेरी को भारतीय महिला हॉकी टीम जबकि दक्षिण अफ्रीका के रेट हल्केट को पुरुष टीम का विश्लेषणात्मक कोच बनाया है। इसके साथ ही दोनों टीमों के लिए अन्य सहायक स्टाफ सदस्यों की भी घोषणा कर दी गयी है। गौरतलब है कि फेरी के मार्गदर्शन में ही कनाडा की पुरुष टीम ने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इसके साथ ही उनके विश्लेषणात्मक कोच करते जापान की महिला टीम ने 2018 में एशियाई खेलों का अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया था। अब भारतीय टीम के साथ वह अपनी नयी भूमिका में मुख्य कोच यानेके शोपमैन की सहायता करेंगे। फेरी के कोच रहते ही कनाडाई पुरुष अंडर 21 टीम ने जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। वह अगस्त 2020 से अप्रैल 2022 तक अमेरिका की महिला टीम के कोच और हाई परफार्मेंस निदेशक भी रहे हैं। फैरी और हल्केट के अलावा हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय पुरुष टीम के वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में ऑस्ट्रेलिया के एलन टैन का नाम घोषित किया है। हल्केट और टैन दोनों ही दक्षिण अफ्रीका के नये मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व वाली पुरुष टीम के कोचिंग सदस्यों की टीम में शामिल होंगे। हल्केट ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 2010 से 2018 तक 155 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह 2020 में नीदरलैंड के सहायक कोच भी रहे थे। वहीं टैन को 'न्यू साउथ वेल्थ इंस्टीट्यूट और स्पोर्टस' में 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग' कोच के तौर पर 10 साल का अनुभव है ऐसे में उनके आने से भारतीय हॉकी टीम को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, '' हम पुरुष और महिला टीम में नये कोचिंग सदस्यों का स्वागत करते हैं। हॉकी इंडिया की तरफ से मैं तत्काल आधार पर उनकी नियुक्तियों को पूरा करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को धन्यवाद देता हूं।''

रूस की एलेक्जेंड्रा गोरयाचिना ने जीता फीडे महिला ग्रां प्री खिताब

नई दिल्ली । रूस की महिला शतरंज खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा गोरयाचिना ने फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज खिताब जीता है। इस टूर्नामेंट में शीर्ष तीन खिलाड़ियों को बराबर अंक मिले पर एलेक्जेंड्रा को टाई-ब्रेकर में अधिक अंक के कारण जीत मिली। यहां हुए तीसरे चरण में शीर्ष तीन दावेदारों ने अपने अंतिम दौर की बाजिया ड्रॉ खेली जिससे वे सभी 6 अंको पर पहुँच गयी पर टाईब्रेक के बाद, रूस की एलेक्जेंड्रा को शीर्ष स्थान मिल गया। वहीं कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा दूसरे जबकि चीन झू जिनर तीसरे स्थान पर रही। रूस की ही लागनों काटेरयना और पोलिना शुवालोवा 6 अंक हासिल करने के साथ ही चौथे और पांचवें स्थान पर आईं। वहीं भारत की शीर्ष खिलाड़ी कोनेरु हम्पी 5.5 अंक के साथ ही छठे स्थान पर रही। जॉर्जिया की नीनों बताश्विली 4.5 अंक के साथ ही टाईब्रेक के आधार पर सातवे जबकि भारत की हरिका द्रोणावल्ली को आठवों स्थान मिला।

शाहरुख के साथ नाचते दिखे विराट

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सहमालिक और बॉलवुड अभिनेता इंडियन शाहरुख खान भी रॉयल चैलेंसर्ज बैंगलोर (आरसीबी) के साथ हुए मैच को देखने पहुंचे थे। इस मैच में अपनी टीम केकेआर की जीत के बाद शाहरुख अपनी फिल्म पठान के गाने पर डांस करने लगे। शाहरुख आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी मिले ओर दोनो एक साथ डांस और हंसीमजाक करते भी दिखे। इस दौरान विराट के पैर में पट्टी बंधी थी पर उन्होंने इसकी चिंता नहीं की।

इस मैच में हालांकि विराट अधिक रन नहीं बना पाये और 18 गेंदों में 3 चौके की सहायता से 21 रन ही बना पाये। सुनील नरेन की गेंद पर वह बोल्ड हुए। विराट के अलावा आरसीबी के अन्य बल्लेबाज भी केकेआर के स्पिनरों का सामना नहीं कर पाये।

टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसिस 23, मिचेल ब्रेसवेल 19 के अलावा दो अन्य खिलाड़ी ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

वरुण चक्रवर्ती ने सबसे अधिक 4, सुनील नरेन ने 2 और युवा स्पिनर सुयस शर्मा ने 3 विकेट लिए जबकि एक विकेट शार्दुल ठाकुर ने लिया। इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए थे।

आईपीएल खेलने के लिए पंजाब में होगी इस घातक खिलाड़ी की वापसी, विस्फोटक ऑलराउंडर जल्द जुड़ेगा टीम के साथ

नयी दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन जल्द ही पंजाब कैपिटल्स की जर्सी पहने आईपीएल में हिस्सा लेते दिखाई देंगे। इंग्लैंड के बल्लेबाज ने उम्मीद जताई है कि उन्हें इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से जल्द ही फिटनेस मंजूरी मिल जाएगी जिसके बाद वो आईपीएल में हिस्सा ले सकेंगे।

माना जा रहा है कि 29 वर्षीय खिलाड़ी ने लंबे समय से चली आ रही चोट से ऊबरने में सफलता हासिल की है जिसके बाद वो अपने घुटने की चोट से उबरेंगे। लियाम लिविंगस्टोन का कहना है कि वो अब पहले से बेहतर महसूस कर रहे है। संभावना है कि वह अपनी टीम पंजाब किंग्स से 10 अप्रैल को जुड़ेंगे। लिविंगस्टोन चार महीने पहले पाकिस्तान में टेस्ट पदार्पण के दौरान चोटिल हो गए थे। इससे पहले लिविंगस्टोन संभावना जता चुके थे कि वो पंजाब की टीम के दूसरे मुकबाले में उपलब्ध होंगे मगर ऐसा नहीं हो सका।

दरअसल लिविंगस्टोन के घुटने में चोट लगी है जिसके कारण वह उसके बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए। इस बीच उनकी पिछले साल के टखने की चोट भी उभर आई थी। आईपीएल के एक सूत्र ने कहा कि लिविंगस्टोन 10 अप्रैल को भारत आ रहे है। इस सूत्र ने कहा, '' वह सोमवार को यहां पहुंच जायेंगे।'' पंजाब किंग्स को अपना अगला मुकाबला नौ अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलना है और यह तय है कि टीम को इस मैच में लिविंगस्टोन की सेवाएं नहीं मिलेंगी।

वह हालांकि 13 अप्रैल को सत्र में टीम के चौथे मैच के लिए मैदान पर उतर सकते है। लिविंगस्टोन ने गुरुवार को कहा कि वह पूर्ण फिटनेस हासिल करने के करीब है। लिविंगस्टोन ने कहा,'' मैं अब उस मुकाम पर पहुंच रहा हूं। पिछले दो महीने बेहद मुश्किल रहे लेकिन आखिरकार अब मैं छोटे बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।''

उन्होंने कहा,'' उम्मीद है कि अगले दो दिन के अंदर मुझे वहां जाने के लिए मंजूरी मिल जाएगी। मैं खेलने के लिए बेताब हूं और उम्मीद है कि अगले 48 घंटों में आखिरकार

मुझे इसकी मंजूरी मिल जाएगी।'' लिविंगस्टोन पंजाब किंग्स के लिए अहम खिलाड़ी हैं। टीम ने उन्हें पिछले साल नीलामी से पहले 11.50 करोड़ रुपये के करार पर रिटेन किया था। उन्होंने पिछले सत्र में 182.08 के स्ट्राइक रेट से 437 रन बनाए थे।

बच्चों को खेल के लाभ बताने ओलंपिक मूल्य आधारित कार्यक्रम से जुड़ा : बिंद्रा

नई दिल्ली । ओलंपिक स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा है कि वह बच्चों को खेल के लाभ बताने और ओलंपिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए ही देश में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन कार्यक्रम से जुड़े थे। ओलंपिक संघ और उड़ीसा सरकार के शिक्षा विभाग के इस कार्यक्रम में ओडिशा राज्य के 90 सरकारी स्कूलों में लगभग 50,000 बच्चों को शामिल किया गया था। बिंद्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का परिणाम अब तक अच्छा रहा है। इस कार्यक्रम से इन स्कूलों में खेलों में भागीदारी 50 फीसदी बढ़ गयी है। कम उपस्थिति वाले सरकारी प्राइमरी स्कूल में खेलों को बढ़ावा मिलने के बाद से ही छात्रों की संख्या में 12 फीसदी की बढ़त आई है। एक स्कूल में एक विकलांग छात्र तक फुटबॉल के मैदान पर लेकर आया। आज वह लड़का अपने जिले का प्रतिनिधित्व करता है। उसका कहना है कि वह जहां भी जाता है इसके खेलों का प्रचार-प्रसार करता है। आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य बिंद्रा ने कहा खेल के जरिये निशानेबाज के रूप में उनके करियर ने उन्हें ओलंपिक मूल्यों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मैं अब भारत में स्कूली बच्चों के साथ उन मूल्यों को शेयर कर रहा हूं। साथ ही कहा कि खेल हमें हमें बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

टाइगर वुड्स की ऑगस्टा मास्टर्स में निराशाजनक शुरुआत

ऑगस्टा। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने ऑगस्टा मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में 74 का कार्ड खेलकर निराशाजनक शुरुआत की जबकि जॉन रहम सहित तीन खिलाड़ियों ने पहले दौर में संयुक्त बढ़त बनाई। वुड्स का मास्टर्स में 2005 के बाद यह सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्होंने तब अगले तीन दौर में 65-66-71 का स्कोर बनाकर अच्छी वापसी की थी लेकिन उनका हालिया रिकॉर्ड बताता है कि उनके लिए इस बार वापसी करना मुश्किल होगा। वुड्स मास्टर्स टूर्नामेंट में पेशेवर खिलाड़ी के रूप में कभी कट से नहीं चूके हैं लेकिन यदि वह दूसरे दौर में भी वापसी नहीं कर पाते हैं तो उनके लिए सप्ताहांत के खेल में जगह बनाना आसान नहीं होगा।

जान से मारने की मिल रहीं धमकियों के बीच सलमान खान ने खरीदी बुलेटप्रूफ कार

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को बीते कुछ महीनों से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सलमान को मिल रही इन धमकियों की वजह से पुलिस ने उनकी सुरक्षा कड़ी कर दी है। एक्टर को वाई प्लस कैटेगिरी की सिक्योरिटी दी गई है। वहीं अब सलमान खान ने भी अपनी सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए एक नई बुलेटप्रूफ कार खरीदी है, जो विदेश से इंपोर्ट हुई है।

सलमान खान ने निसान पेट्रोल एसयूवी को अपने गाड़ी के काफिले में शामिल किया है। खास बात यह है कि यह कार अभी तक भारतीय मार्केट में लॉन्च नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि सलमान की यह बुलेटप्रूफ कार क्ब6 या क्ब7 लेवल की सिक्योरिटी वाली है।

बता दें कि बीते दिनों लॉरेंस बिश्नोई ने जेल से एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू के दौरान सलमान को धमकी दी थी। लॉरेंस ने कहा था कि वह सलमान का ईगो देर-सवेर तोड़ ही देंगे। सलमान खान के लिए समाज के अंदर बेहद गुस्सा है। अगर वह माफी नहीं मांगता है तो उसे अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म इस साल ईद के मौके पर 21 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है। इसके अलावा सलमान खान टाइगर 3 में नजर आने वाले हैं।

इंडिया को मिस करते हैं प्रियंका के पति

अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के पति और हॉलीवुड सिंगर निक जोनस परिवार के साथ इंडिया आए। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से हाल ही में निक ने एक पिक्चर शेयर की। इस पोस्ट के साथ निक ने कैप्शन में लिखा कि वो इंडिया को मिस करते हैं। उनके इस फोस्ट पर यूजर्स उन्हें अलग-अलग तरह से कमेंट कर रहे हैं। निक जोनस इन दिनों पत्नी प्रियंका चोपड़ा और बेटी मालती चोपड़ा के साथ मुंबई आए हुए हैं। पिक्चर पर कमेंट करते हुए यूजर ने लिखा, जीजू को ससुराल की याद आ रही थी। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, ये देखकर अच्छा लगा कि आप भारत आए और यहां की संस्कृति को समझा। एक फैन ने कमेंट किया, स्वागत है आपका जीजाजी, हमने भी आपको मिस किया। एक यूजर ने कमेंट किया, घर जमाई बन जाओ, यहीं रहलो प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास ने मुंबई में हुए नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के लांच इवेंट का हिस्सा भी बने। निक की ये पिक्चर सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रही है। उनके इस पोस्ट को यूजर्स काफी प्यार बरसा रहे हैं। वहीं फैंस इस पोस्ट पर कमेंट करने से भी पीछे नहीं हट रहे।

अमिताभ स्टारर सेक्शन 84 में डायना आएंगी नजर

अपकमिंग कोर्ट रूम ड्रामा सेक्शन 84 में बॉलीवुड एक्ट्रेस डायन पेंटी मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। बिग बी और रिभु दासगुप्ता के साथ काम करने को लेकर डायना ने उत्साह व्यक्त किया। डायना ने कहा, सेक्शन 84 मेरे लिए बहुत खास है। न केवल इसलिए कि यह एक दिलचस्प कहानी है, बल्कि इसलिए भी कि महानायक बच्चन के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। एक सपना आखिरकार साकार हुआ, रिभु दासगुप्ता का विजन हटकर है और मैं इस फिल्म में उनके साथ सहयोग कर बहुत खुश हूं। मुझे पता है कि यह एक ऐसा अनुभव होने जा रहा है जिसे मैं याद रखूंगी। फिल्म निर्माता रिभु दासगुप्ता की अगली फिल्म एक कोर्टरूम ड्रामा थ्रिलर है। सेक्शन 84 में महान अभिनेता अमिताभ बच्चन लीड रोल में हैं। सेक्शन 84 रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है और रिलायंस एंटरटेनमेंट और फिल्म हैंगर द्वारा निर्मित है।

सलमान का लुंगी डांस दर्शकों को खूब पसंद आया

सलमान खान का लुंगी डांस दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। सलमान खान की आगामी मूवी किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को बड़े पर्दे पर उतरेगी। इस फिल्म का सलमान खान के प्रशंसकों को काफी बेसब्री से इंतजार है। ईद के मौके पर प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म का एक नया गाना येंतम्मा आज जारी किया गया है। इस गाने में सलमान खान दक्षिण के सुख्यात सितारे वेंकटेश दग्गुबाती और रामचरण के साथ जमकर डांस कर रहे हैं। येंतम्मा गाने में सलमान खान और वेंकटेश दग्गुबाती के साथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, राघव जुयाल, जस्सी गिल और पलक तिवारी भी नजर आ रहे हैं। वीडियो में सलमान खान और वेंकटेश दग्गुबाती लुंगी पहनकर और चश्मा लगाकर डांस कर रहे हैं। गाने में सलमान खान और वेंकटेश का स्वैग फैंस को खूब लुभा रहा है। येंतम्मा गाने को रिलीज होते ही यूट्यूब पर 569के से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। हालांकि गाने में जो सरप्राइज एलिमेंट फैंस को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है, वह है आरआरआर स्टार राम चरण की धांसू एंट्री।

अमीषा पटेल की बढ़ी मुश्किलें

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल इन दिनों अपनी अकमिंग फिल्म 'गदर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। लेकिन इसी बीच अमीषा पटेल एक पुराने विवाद को लेकर भी चर्चा में आ गई है। दरअसल, एक्ट्रेस के खिलाफ दर्ज एक धोखाधड़ी केस में वारंट जारी हो गया है। रांची की एक कोर्ट ने अमीषा पटेल को पेश होने का आदेश दिया है। अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का यह केस साल 2018 में दर्ज हुआ था। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार अमीषा पटेल के खिलाफ ढाई करोड़ के चेक बाउंस और धोखाधड़ी के मामले पर रांची के सीविल कोर्ट में सुनवाई हुई। लेकिन इस दौरान अमीषा और उनके वकील तारीख पर नहीं पहुंचे। इसी वजह से कोर्ट ने अमीषा पर नाराजगी जाहिर करते हुए वारंट जारी किया है और एक्ट्रेस को अगली सुनवाई पर पेश होने की बात कही है। ये मामला फिल्म बनाने के नाम पर करोड़ों रुपए लेने, फिल्म नहीं बनने पर पैसे वापस नहीं करने और इसके साथ ही चेक बाउंस का है। रांची के एक बिसनेसमैन अजय कुमार ने फिल्म देसी मैजिक बनाने के लिए अमीषा के अकाउंट में ढाई करोड़ रुपये डाले थे। लेकिन, जब फिल्म नहीं बनी तो अमीषा ने पैसे भी नहीं लौटाए। अपनी शिकायत में अजय कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि अमीषा पटेल ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। फिल्म नहीं बनने पर उन्होंने पैसे की मांग की थी। एक?ट्रेस की ओर से उन्हें ढाई करोड़ रुपए का एक चेक दिया था, जो बाउंस हो गया। इसके बाद अजय सिंह ने रांची सिविल कोर्ट में मुकदमा? किया था।

ईशा संग शादी की खबरों को बादशाह ने किया खारिज

बीते दिनों खबर सामने आई थी कि रैपर बादशाह अपनी गर्लफ्रेंड ईशा रिखी के साथ शादी करने जा रहे हैं। लेकिन बादशाह ने इन सारी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। रैपर बादशाह ने इंस्टाग्राम स्टोरी में एक नोट शेयर कर लिखा- डियर मीडिया, मैं आपकी इज्जत करता हूं लेकिन यह बहुत गलत है। मैं शादी नहीं कर रहा हूं। जो कोई भी आपको यह बकवास खिला रहा है, उसे बेहतर मसाला खोजने की जरूरत है। बादशाह का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बादशाह और जैस्मिन ने अलग होने का फैसला कर लिया है लेकिन अभी तक किसी की भी तरफ से ऐसा कुछ नहीं कहा गया है। बता दें बादशाह ने साल 2012 में जैस्मीन से शादी की थी और 10 जनवरी 2017 में बेटी जेसेमी ग्रेस मसीह सिंह का स्वागत किया। रैपर बादशाह इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।

शाहरुख खान ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 'टाइम मैगजीन' की इस लिस्ट में बने नंबर 1

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने फिल्म 'पठान' के जरिए बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की है। वहीं अब शाहरुख खान ने एक बहुत बहुड उपलब्धि हासिल की है। शाहरुख खान ने 'टाइम मैगजीन' की वार्षिक 'टाइम 100' सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

टाइम मैगजीन की यह लिस्ट पाठकों द्वारा किए गए वोट के आधार पर यह सूची तैयार की जाती है। अमेरिकी प्रकाशन के अनुसार, इस साल 12 लाख से अधिक लोगों ने वोट किया, जिसमें से चार प्रतिशत मत शाहरुख खान को मिले।

शाहरुख खान की जनवरी में रिलीज हुई फिल्म 'पठान' ने देश और विदेश में 1000 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई की थी, जिसे बड़े पर्दे पर उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है।

इस सूची में तीन प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर ईरान की वे महिलाएं हैं, जो इस्लाम शासित देश में अपनी आजादी के लिए आवाज उठा रही हैं। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्कल 1.9 प्रतिशत वोट के साथ क्रमशः तीसरे तथा चौथे स्थान पर हैं।

अर्जेंटीना को पिछले साल कतर में फुटबॉल विश्व कप में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले फुटबॉलर मेसी 1.8 प्रतिशत वोट के साथ सूची में पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्कर विजेता मिशेल योह, पूर्व टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स, मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा भी सूची में जगह बनाने में कामयाब रहे।

शाहरुख खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो पठान की सक्सेस के बाद अब वह एटली कुमार की फिल्म 'जवान' में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास राजकुमार हिरानी की 'डंकी' भी है। वहीं शाहरुख यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई थ्रिलर फिल्म 'टाइगर वर्सेज पठान' में सलमान खान के साथ भी नजर आएंगे।